मार्गशीर्ष कृष्णा - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 122 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 27-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 क्या रोहित मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर राहुल से पारी का आगाज करना जारी रखेंगे?

6 सद्भाव और भरोसे को तोड़ने वाला है संभल का उपद्रव

7 'कंगुवा' में सूर्या के साथ मगरमच्छ की लड़ाई का सीन बना सबसे रोमांचक पल

फर्स्ट टेक

तेलंगाना में मध्याह्न भोजन करने से 22 छात्र बीमार, जांच जारी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के नारायणपेट जिले के एक सरकारी स्कूल के कम से कम 22 छात्रों को सिरदर्द और पेट दर्द की शिकायत के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं बच्चे स्कूल में परोसे गए मध्याह्न भोजन की वजह से तो बीमार नहीं पड़े हैं। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के अनुसार, प्रभावित छात्रों ने पास की बेकरी और दुकानों से भी खाद्य पदार्थ खरीदकर खाया था, तथा प्रारंभिक जानकारी के आधार पर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए वहां से भी नमूने एकत्र कर लिए गए हैं।

छापेमारी के दौरान संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू क्षेत्र के चार जिलों में 56 ठिकानों पर छापे मारकर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी नेटवर्क पर व्यापक कार्रवाई की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बड़े पैमाने पर चलाए गए इस अभियान के दौरान आतंकवादियों के लिए काम करने वालों 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू)' और संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी की गई तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों, बेहिसाब नकदी, हथियारों और गोला-बारूद सहित अभियोजनयोग्य सामग्री बरामद की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) जम्मू आनंद जैन ने कहा, ''छापे के दौरान एकत्रित सामग्री और सूचना के आधार पर जांच जारी रहेगी।

अंडमान एवं निकोबार द्वीप के पास 36000 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में मछली पकड़ने वाले जहाज से जब्त किया गया लगभग 6,000 किलोग्राम मादक पदार्थ मेथाम्फेटामाइन भारत में सबसे बड़ी समुद्री जब्ती है और इसकी कीमत लगभग 36,000 करोड़ रुपए है। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। ऐसा संदेह है कि अंडमान सागर में बैरन द्वीप के पास म्यांमार के चालक दल के छह सदस्यों के साथ 'ट्रॉलर' (मछली पकड़ने वाला जहाज) पर पकड़ा गया प्रतिबंधित मादक पदार्थ थाईलैंड ले जाया जा रहा था। चालक दल के सदस्य फिलहाल पुलिस की हिरासत में हैं। द्वीपसमूह के पुलिस महानिदेशक हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने कहा, ''ऐसा लगता है कि मछली पकड़ने वाले जहाज में कुछ तकनीकी खराबी आ गई और वह थाईलैंड की ओर जाने के बजाय भारतीय जलक्षेत्र की ओर आ गया।''

सूर्यास्त 26-11-2024 5:39 बजे | सूर्योदय 27-11-2024 6:13 बजे

BSE	NSE
80,004.06	24,194.50
(-105.79)	(-27.40)

सोना	चांदी
8,200 रु.	101,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

संविधान है 'मार्गदर्शक' : मोदी

'राष्ट्र प्रथम' की भावना इसे सदियों तक जीवित रखेगी : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संविधान को देश के वर्तमान और भविष्य का 'मार्गदर्शक' करार दिया और कहा कि उनकी सरकार ने सामाजिक तथा वित्तीय समानता लाने के लिए कई कल्याणकारी कदम उठाकर संवैधानिक मूल्यों को मजबूत किया है।

संविधान दिवस के मौके पर उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने संविधान को एक जीवंत निरंतर प्रवाहमान धारा बताया जो समय-समय पर आपातकाल समेत अन्य चुनौतियों और देश की जरूरतों और उम्मीदों पर खरा उतरा है। उन्होंने 2008 में आज ही के दिन मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश ने संकल्प किया है कि उसकी सुरक्षा को चुनौती दे रहे सभी आतंकवादी समूहों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने 1949 में संविधान सभा में 26 नवंबर को राजेंद्र प्रसाद के समापन भाषण का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि भारत को आज ईमानदार लोगों के एक समूह से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, जो अपने हितों से आगे देश का हित रखेंगे। मोदी ने कहा, ''राष्ट्र सर्वप्रथम की यही भावना भारत के संविधान को आने वाले कई सदियों तक जीवंत बनाए रखेगी।'' उन्होंने कहा कि विकसित भारत में हर किसी को गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक जीवन मिले, यह सामाजिक न्याय का बहुत बड़ा माध्यम है और संविधान की भावना भी।

भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर उच्चतम न्यायालय के प्रशासनिक भवन परिसर के सभागार में आयोजित इस समारोह में प्रधानमंत्री ने पिछले 10 वर्षों में अपनी सरकार की ओर से शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख भी किया और कहा कि इनसे लोगों के जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव हो रहा है, देश की प्रगति को गति मिल रही है और संविधान की मूल भावना भी सशक्त हो रही है। उन्होंने कहा कि देश, काल और परिस्थिति के हिसाब से उचित निर्णय लेकर संविधान की समय-समय पर व्याख्या की जा सके, यह प्रावधान संविधान निर्माताओं ने किया है। उन्होंने कहा कि वे (संविधान निर्माता) यह जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं और उसके सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते थे कि आजाद भारत और आजाद भारत के नागरिकों की जरूरतें और चुनौतियां बदलेंगी, इसलिए उन्होंने संविधान को महज कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ा बल्कि, इसे एक जीवंत निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया। उन्होंने कहा, ''हमारा संविधान, हमारे वर्तमान और हमारे भविष्य का मार्गदर्शक है। बीते 75 वर्षों में देश के सामने जो भी चुनौतियां आई हैं, हमारे संविधान ने हर उस चुनौती का समाधान करने के लिए उचित मार्ग दिखाया है।''

उच्चतम न्यायालय ने मतपत्रों के जरिये मतदान कराने की याचिका को खारिज करते हुए की टिप्पणी

जब आप हारते हैं तभी ईवीएम से छेड़छाड़ होती है, जीतते हैं तो नहीं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने देश में फिर से मतपत्रों के जरिये मतदान कराने की पुरानी व्यवस्था शुरू करने संबंधी याचिका मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दी कि जब लोग हारते हैं तभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ के आरोप सामने आते हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने टिप्पणी की, होता यह है कि जब आप चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं होती। जब आप चुनाव हार जाते हैं तो ईवीएम से छेड़छाड़ हो जाती है।

याचिका में मतपत्र से मतदान कराए जाने के अलावा कई अन्य दिशानिर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया था। याचिका में निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि यदि कोई उम्मीदवार चुनाव के दौरान मतदाताओं को धन, शराब या अन्य भौतिक प्रलोभन वितरित करने का दोषी पाया जाता है, तो उसे कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाए।

जब याचिकाकर्ता के. ए. पॉल ने कहा कि जनहित याचिका उन्होंने दायर की है, तो पीठ ने कहा, आपके पास दिलचस्प जनहित याचिकाएं हैं। आपको ये शानदार विचार कहां से मिलते हैं?'' याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक ऐसे संगठन के अध्यक्ष हैं जिसने तीन लाख से अधिक अनाथों और 40 लाख विधवाओं को बचाया है। पीठ ने इसके जवाब में कहा, आप इस राजनीतिक क्षेत्र में क्यों पड़ रहे हैं? आपका कार्य क्षेत्र बहुत अलग है।

पॉल ने जब बताया कि वह 150 से अधिक देशों की यात्रा कर चुके हैं, तो पीठ ने उनसे पूछा कि क्या इन देशों में मतपत्रों के जरिये मतदान होता है या वहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग का इस्तेमाल होता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि अन्य देशों ने मतपत्रों के जरिये मतदान की प्रक्रिया को अपनाया है और भारत को भी ऐसा ही करना चाहिए।

पीठ ने कहा, आप बाकी दुनिया से अलग क्यों नहीं होना चाहते?'' पॉल ने जवाब दिया कि भ्रष्टाचार हुआ है और इस साल (2024) जून में निर्वाचन आयोग ने घोषणा की थी कि उन्होंने 9,000 करोड़ रुपए जब्त किए हैं।

पीठ ने कहा, लेकिन इससे आपकी बात कैसे प्रासंगिक हो जाती है... यदि आप मतपत्र की ओर लौटते हैं, तो क्या भ्रष्टाचार नहीं होगा?''

इजराइली लड़ाकू विमानों ने मध्य बेरूत पर बमबारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ इजराइली जमीनी सैनिक संघर्ष में पहली बार लेबनान की लिटानी नदी के कुछ हिस्सों में भी पहुंचे, जो उभरते युद्धविराम का केंद्र बिंदु है।

बेरूत/एपी। इजराइली लड़ाकू विमानों ने मंगलवार को मध्य बेरूत और शहर के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया, जिससे लेबनान की राजधानी पर धुएं का गुबार छा गया।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इजराइल नेतृत्व हिजबुल्ला के साथ एक साल से अधिक समय से जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम को स्वीकार करने या न करने पर निर्णय करने वाला है।

इजराइली सेना ने बेरूत के उपनगरों में 20 और इमारतों को भी खाली करने की चेतावनी जारी की, इससे पहले कि उन पर भी हमला हो। यह इसका संकेत है कि इजराइल किसी भी युद्धविराम के प्रभावी होने से पहले हिजबुल्ला को अंतिम समय तक सजा देने का लक्ष्य बना रहा है। इजराइली जमीनी सैनिक संघर्ष में पहली बार लेबनान की लिटानी नदी के कुछ हिस्सों में भी पहुंचे, जो उभरते युद्धविराम का केंद्र बिंदु है।

युद्धविराम अब भी पक्का नहीं है, लेकिन मंगलवार दोपहर को होने वाली इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट की बैठक में अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद थी।

अधिकारियों ने कहा है कि हिजबुल्ला भी इस समझौते का समर्थन करता है और अगर सभी पक्षों द्वारा इसे मंजूरी दे दी जाती है, तो यह समझौता इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, जिसने पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।

इस युद्ध ने इसके साथ ही इजराइल और हिजबुल्ला के संरक्षक ईरान के बीच और व्यापक संघर्ष की आशंकाओं को भी बढ़ा दिया है।

जापान के नए छोटे रॉकेट के इंजन में परीक्षण के दौरान दूसरी बार धमाका

टोक्यो/एपी। जापान के एक प्रमुख छोटे नए रॉकेट के इंजन में मंगलवार को दहन परीक्षण के दौरान आग लग गई। हालांकि आग लगने से इसके बाहरी हिस्से में कोई क्षति नहीं पहुंची। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'एप्सिलॉन एस रॉकेट' के लगातार दूसरी बार विफल होने से इसकी प्रगति को लेकर चिंता गहरा गई है क्योंकि इसे अगले साल लांच किए जाने की उम्मीद की जा रही थी। 'कैबिनेट' के मुख्य सचिव योशिमासा हयाशी ने पत्रकारों को बताया कि यह परीक्षण दक्षिण-पश्चिमी जापान में स्थित तानेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र के प्रतिबंधित क्षेत्र के अंदर किया गया था और 'जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए)' इसकी जांच कर रही है। जेएएक्सए के अनुसार, आग लगने के बाद धमाका हुआ और सफेद धुंए का गुबार उठने लगा। मंगलवार की इस ताजा विफलता से पहले साल परीक्षण के दौरान भी इसी 'एप्सिलॉन एस' इंजन में धमाका हुआ था।

अब एक से अधिक पैन नहीं रख पाएंगे करदाता, मौजूदा कार्ड बने रहेंगे वैध

■ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्यूआर कोड सुविधा से लैस नए तरह के पैन कार्ड जारी करने के लिए 1,435 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पैन 2.0 परियोजना के तहत क्यूआर कोड आधारित उन्नत प्रणाली लागू होने से नकली कार्ड की पहचान आसान हो जाएगी और करदाता एक से अधिक पैन कार्ड नहीं रख पाएंगे। हालांकि, नई व्यवस्था शुरू होने पर भी मौजूदा पैन कार्ड वैध बने रहेंगे और करदाताओं को नए कार्ड के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। सिर्फ कार्ड से संबंधित जानकारियों में कोई बदलाव होने पर ही पैन 2.0 कार्ड के लिए आवेदन करना होगा।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को पैन 2.0 परियोजना से संबंधित इन बिंदुओं को स्पष्ट किया। उसने 'बार-बार पूछे जाने वाले सवालों' (एफएक्यू) का ब्योरा देकर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक दिन पहले ही क्यूआर कोड सुविधा से लैस नए तरह के पैन कार्ड जारी करने के लिए 1,435 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है।

अगले साल से लागू होने वाली यह परियोजना 'स्थायी खाता संख्या' (पैन) जारी करने की मौजूदा प्रणाली को उन्नत बनाने के मकसद से लाई गई है। पैन 2.0 परियोजना का उद्देश्य सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणालियों के लिए एक 'समान व्यवसाय पहचानकर्ता' तैयार करना है। पैन आयकर विभाग की तरफ से जारी होने वाली 10 अंक की एक विशिष्ट संख्या है। इसमें अंकों के साथ अंग्रेजी अक्षरों को भी कूटबद्ध रूप से शामिल किया जाता है। यह संख्या भारतीय करदाताओं को विशिष्ट रूप से जारी की जाती है।

सीबीडीटी की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, इस परियोजना का उद्देश्य पैन एवं टैन जारी करने और उनके प्रबंधन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना है। यह परियोजना कई डिजिटल मंचों के एकीकरण और पैन/टैन धारकों के लिए कुशल सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करती है।

इस परियोजना में कर कटौती एवं संग्रह खाता संख्या (टैन) को भी समाहित किया जाएगा। इस समय करीब 78 करोड़ पैन और 73.28 लाख टैन खाता मौजूद हैं।

जयंशकर ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर कहा

लोग किसी न किसी स्तर पर बातचीत की मेज पर आएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोम/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि किसी को युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं मिलने वाला है और रूस-यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष की बात करें, तो लोग किसी न किसी स्तर पर ''बातचीत की मेज पर आएंगे।'' उन्होंने कहा, ''जितनी जल्दी वे ऐसा करेंगे, उतना ही बेहतर होगा, क्योंकि बाकी दुनिया प्रभावित हो रही है।''

जयशंकर (69) जी-7 समूह में शामिल देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के जनसंपर्क सत्र में हिस्सा लेने के लिए 24 से 26 नवंबर तक तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर इटली में हैं। विदेश मंत्री ने इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान कहा, ''आज हमारे सामने दो बड़े संघर्ष एक साथ हो रहे हैं। यह पूरे अंतरराष्ट्रीय तंत्र को भारी तनाव में डाल रहा है।''

मंगलवार को प्रकाशित साक्षात्कार में उनके हवाले से कहा गया, ''और हम केवल दर्शक बनकर यह नहीं कह सकते कि ठीक है, यही तरीका है। यह काम कर भी सकता है और नहीं भी। जब तक हम कोशिश नहीं करेंगे, तब तक हमें पता नहीं चलेगा। लेकिन हम मानते हैं कि इन दोनों संघर्षों (यूक्रेन और पश्चिम एशिया में) पर देशों को पहल करने की जरूरत है, प्रयास करने की जरूरत है, भले ही यह कितना भी कठिन क्यों न लगे, कुछ सामान्य आधार खोजने की कोशिश करें, जो आज हमारे पास है, उससे कुछ बेहतर।''

रूस-यूक्रेन संघर्ष पर जयशंकर ने दोहराया कि भारत सोचता है कि ''संघर्ष को समाप्त करने का रास्ता खोजने के लिए कूटनीति'' होनी चाहिए और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं।

फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन संघर्ष 19 नवंबर को अपने 1,000वें दिन में प्रवेश कर गया। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने कौन से रास्ते देखे, मंत्री ने कहा, ''प्रतिभागियों से बातचीत करना।'' जयशंकर ने कहा, ''तो आपको मॉस्को से बात करनी होगी और आपको कीव से बात करनी होगी। और हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं। देखिए, अब लगभग तीन साल हो गए हैं। आपको युद्ध के मैदान से कोई समाधान नहीं मिलने वाला है, है ना? हमें सुलह-समझौता करना होगा। किसी न किसी स्तर पर लोग बातचीत की मेज पर आएंगे।

इमरान खान के समर्थक इस्लामाबाद पहुंचे

समर्थकों की पुलिस से हुई झड़पों में छह सुरक्षाकर्मी मारे गये और कई अन्य घायल हो गये।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पाकिस्तान सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में सेना तैनात करने के साथ ही उन्हें आदेश दिए गए हैं कि उपद्रवियों को देखते ही गोली मार दी जाए।

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों की मंगलवार को पुलिस से हुई झड़पों में छह सुरक्षाकर्मी मारे गये और कई अन्य घायल हो गये। खान को जेल से रिहा किये जाने की मांग को लेकर उनके समर्थक राजधानी इस्लामाबाद पहुंच गये।

टीवी चैनलों की फुटेज में खान के समर्थक डी-चौक की ओर जाने वाली सड़कों पर रखे शिपिंग कंटेनरों पर चढ़ते हुए दिखाई दिए। डी-चौक कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय के करीब स्थित है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के शीर्ष नेताओं ने हालांकि खान की रिहाई तक इस्लामाबाद में रहने की प्रतिबद्धता जताई है। खान की पत्नी बुशरा बीबी ने पार्टी समर्थकों से कहा, ''वादा करो कि जब तक खान हमारे साथ नहीं आ जाते, तब तक आप लोग डी-चौक नहीं छोड़ोगे।''

र्व प्रधानमंत्री इमरान खान (72) पिछले वर्ष अगस्त से जेल में हैं। उन्होंने 13 नवंबर को 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। उन्होंने कथित तौर पर चोरी किये गये जनादेश, लोगों की गिरफ्तारी और 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा की थी।

इस बीच, इस्लामाबाद के पुलिस प्रमुख अली नासिर रिजवी ने उपद्रवियों को इस्लामाबाद से बाहर निकालने का वादा करते हुए कहा कि वह 'पीटीआई' के समर्थकों को राजधानी में रैलियां या धरना देने से रोकने के इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा, ''किसी भी उपद्रवी के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसी कानून के अनुरूप कार्रवाई करेगी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

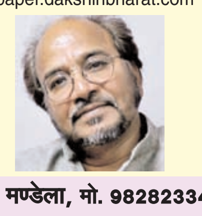

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समझना जरूरी

होगी बरबादी सबकी,
नाकाम जिधर जाएगा।
हुए बदजुबां नेता तो,
अंजाम किधर जाएगा।
हवा जिधर की भी होगी,
तूफान उधर जाएगा।
सही व्यक्ति को चुन लेंगे तो,
देष सुधर जाएगा।।

गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में 3.2 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में मंगलवार शाम को 3.2 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। यह जानकारी भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने दी। गिर सोमनाथ जिला प्रशासन ने कहा कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। आईएसआर ने एक रिपोर्ट में बताया कि भूकंप शाम 6.08 बजे आया और इसका केंद्र गिर सोमनाथ जिले के तलाला से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित था। आईएसआर के आंकड़े के अनुसार, 18 नवंबर को कच्छ जिले में 4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था और 15 नवंबर को उत्तर गुजरात के पाटन में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़े के अनुसार, गुजरात एक उच्च भूकंप-जोखिम वाला क्षेत्र है, जहां पिछले 200 वर्षों में नौ बड़े भूकंप आए हैं। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप में 13,800 लोग मारे गए थे और 1.67 लाख लोग घायल हुए थे।

बेहतर बुनियादी ढांचा, सपनों को जोड़ने और प्रगति में तेजी लाने के बारे में है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि तीन रेल परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को फायदा होगा और मुंबई तथा प्रयागराज के बीच व्यस्त खंड के विकास को बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बेहतर बुनियादी ढांचा, सपनों को जोड़ने और प्रगति में तेजी लाने के बारे में है।

मंत्रिमंडल के अन्य फैसलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन भारतीय कृषि में एक परिवर्तनकारी बदलाव लाएगा।उन्होंने कहा, इस प्रयास के माध्यम से, हम मिट्टी के स्वास्थ्य का पोषण कर रहे हैं, जैव विविधता की रक्षा कर रहे हैं और अपने कृषि भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं।

यह टिकाऊ खेती और किसानों की समृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना को मंजूरी दिए जाने का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश को अनुसंधान, सीखने और ज्ञान का केंद्र बनाने के प्रयासों को मजबूत करेगी तथा बहुविषयक अध्ययन को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि यह भारतीय शिक्षा जगत और युवा सशक्तिकरण के लिए एक 'गेम-चेंजर' है। एक अन्य पोस्ट में मोदी ने कहा, अटल नवोन्मेष मिशन को जारी रखने से संबंधित मंत्रिमंडल का फैसला नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति हमारी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि यह मिशन विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति को लगातार बढ़ा रहा है। मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 7,927 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली रेल मंत्रालय की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी।

इन परियोजनाओं में जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किलोमीटर), भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर) और प्रयागराज (इरादतगंज)-मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किलोमीटर) शामिल हैं।

सरकार ने अगले दो वर्षों में 2,481 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ 7.5 लाख हेक्टेयर पर एक करोड़ किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन की भी घोषणा की।

एकनाथ शिंदे ने दिया इस्तीफा

महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं

रामदास आठवले ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने देवेंद्र फडणवीस को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाने का लिया है निर्णय

भाजपा, शिवसेना और राकांपा के बीच इस बारे में अब तक सहमति नहीं बन पाई है कि कौन होगा अगला मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तीन बाद भी इस शीर्ष पद के लिए स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने देवेंद्र फडणवीस को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया है, लेकिन पार्टी की ओर से अब तक इस बात की पुष्टि नहीं की गई है। शिंदे और फडणवीस 26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मंगलवार सुबह मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय में एक कार्यक्रम में पहुंचे थे लेकिन उनके बीच बातचीत नहीं हुई। शिंदे के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने की शिवसेना नेताओं की अपील के बीच, उन्होंने पद से इस्तीफा दिया है। शिवसेना नेताओं का कहना है कि विधानसभा चुनाव शिंदे के नेतृत्व में ही लड़ा और जीता गया। उप मुख्यमंत्री फडणवीस और अजित पवार के साथ शिंदे ने मंगलवार सुबह राजभवन में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से मुलाकात की और मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने (शिंदे ने) अपना इस्तीफा सौंपा।

राजभवन के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण तक शिंदे से कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा। निवर्तमान विधानसभा का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने हालिया विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। इसने 288 में से 230 सीट पर जीत दर्ज की। महायुति के घटक दल भाजपा ने 132, शिंदे नीत शिवसेना ने 57 और अजित पवार नीत राकांपा ने 41 सीट हासिल की।

शिंदे कैबिनेट में मंत्री रहे दीपक केसरकर ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य में बहुत जल्द एक नई सरकार शपथ लेगी।

सूत्रों ने बताया कि विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने के बावजूद, महायुति के घटक दलों -- भाजपा, शिवसेना और राकांपा के बीच इस बारे में अब तक सहमति नहीं बन पाई है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

ओला इलेक्ट्रिक 39,999 रुपए की कीमत वाले ई-स्कूटर के साथ वाणिज्यिक खंड में उतरी

नई दिल्ली/भाषा। ओला इलेक्ट्रिक ने वाणिज्यिक खंड में उतरने की घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने मंगलवार को 'गिग' कर्मियों को लक्षित करते हुए 39,999 रुपए की शुरुआती कीमत वाले 'गिग' स्कूटर की श्रृंखला पेश की। ऑनलाइन मंच के लिए काम करने वाले अस्थायी कर्मचारियों को 'गिग' कर्मचारी कहा जाता है। कंपनी ने शहरी यात्रियों के निजी इस्तेमाल के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 जेड भी पेश किया है। इसकी कीमत 59,999 रुपए है।

'गिग' श्रृंखला के दो संस्करण को 'गिग' कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, जिनकी शुरुआती कीमतें क्रमशः 39,999 रुपए और 49,999 रुपए (शोरूम कीमत) हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने बयान में कहा, यह श्रृंखला बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) खरीद तथा किराए के लिए उपलब्ध होगी। यह 25 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ एक बार चार्ज करने पर 112 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेगा। इसके साथ 1.5 किलोवाट प्रति घंटे की एक अलग से बैटरी भी आती है जिसे हटाया जा सकता है। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भाविश अग्रवाल ने कहा, ओला 'गिग' और एस1 जेड स्कूटर की श्रृंखला को पेश करने के साथ हम ईवी स्वीकार्यता में और तेजी लाएंगे...'' एस1 जेड श्रृंखला के तहत कंपनी ने दो संस्करण 'एस1 जेड' और 'एस1 जेड+' पेश किए हैं, जिनकी शुरुआती कीमत क्रमश: 59,999 रुपए और 64,999 रुपए है।

हिमाचल सरकार 11 दिसंबर को अपना दो साल का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश करेगी : सुक्खू

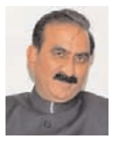

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार 11 दिसंबर को अपना दो साल का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश करेगी, जिसमें उसकी नीतियों और कार्यक्रमों से आए सकारात्मक बदलावों पर प्रकाश डाला जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, सुक्खू ने राज्य में कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 11 दिसंबर को बिलासपुर में आयोजित होने वाले समारोह की रूपरेखा और तैयारियों पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने विभिन्न विभागों में सुधार किए हैं, जिससे सार्वजनिक सेवाओं में सुधार हुआ है, पारदर्शिता बढ़ी है और पूरे राज्य में डिजिटलीकरण को बढ़ावा मिला है। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाला एक वृत्तचित्र बनाने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा ने लगाया राहुल गांधी पर राष्ट्रपति मुर्मू के अपमान, उनका अभिवादन न करने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्होंने संसद में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिवादन तक नहीं किया।

भाजपा ने 'एक्स' पर कथित रूप से कार्यक्रम के दो वीडियो क्लिप साझा करते हुए कहा, राहुल गांधी को इतना घमंड है कि राष्ट्रपति जी का अभिवादन तक नहीं किया।

इस पोस्ट में आगे कहा गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि वो जनजातीय समाज से आती हैं, महिला हैं और राहुल गांधी कांग्रेस के राजकुमार? कैसी घटिया मानसिकता है ये? भाजपा द्वारा साझा किए गए वीडियो में से एक में गांधी को राष्ट्रपति के बैठने से पहले ही मंच पर अपनी सीट पर बैठते देखा गया। वीडियो में देखा जा सकता है

कि राहुल गांधी के बगल में ही खड़े कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे उन्हें खड़ा होने को कहते हैं।

भाजपा द्वारा पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो क्लिप में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और खरगे खड़े होकर राष्ट्रपति का अभिवादन करते दिख रहे हैं लेकिन राहुल गांधी राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए दिखाई नहीं दिए।

भाजपा की ओर से साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा गया, कांग्रेस हमेशा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी का अपमान करती है। राष्ट्रपति खड़ी रहीं, शहजादा (वंशज) बैठ गए। राष्ट्रपति का अभिवादन नहीं किया।

मध्यप्रदेश के मुरैना में विस्फोट से तीन घर ढहे, चार महिलाओं की मौत

मुरैना (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुरैना शहर में विस्फोट के कारण तीन घर ढहने से चार महिलाओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने बताया कि यह घटना शहर के राठौर कॉलोनी इलाके में आधी रात के आसपास हुई। वासुदेव राठौर ने संदेह जताया कि विस्फोट बारूद के कारण हुआ है। घटना में उनका घर नष्ट हो गया और उनकी 28 वर्षीय बहू मृतकों में शामिल हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मलबा हटाने के दौरान एलपीजी सिलेंडर सही सलामत पाए गए। उप मंडल दंडाधिकारी (एमडीएम) भूपेंद्र सिंह कुशवाह ने बताया कि विस्फोट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीम यह पता लगा पाएगी कि विस्फोट बारूद से हुआ या गैस सिलेंडर से।

'तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण का काम 92% पूरा हो चुका है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि उनके राज्य में जातिगत सर्वेक्षण का काम 92 प्रतिशत पूरा हो चुका है। तेलंगाना सरकार ने व्यापक सामाजिक-आर्थिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण की गत छह नवंबर को शुरुआत की थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विधानसभा चुनाव के दौरान जाति आधारित सर्वेक्षण कराने का वादा किया था।

रेड्डी ने कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों की ओर से संविधान दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, सोनिया गांधी जी, खरगे जी और राहुल गांधी जी ने जातिगत जनगणना की बात उठाई है, ताकि

लोगों को उनका अधिकार मिल सके। राहुल गांधी जी ने तेलंगाना में जातिगत जनगणना का वादा किया था। तेलंगाना में जातिगत जनगणना का काम 92 प्रतिशत पूरा हो चुका है।उन्होंने कहा, हम सामाजिक न्याय के काम को पूरा कर रहे हैं, क्योंकि लोगों को अधिकार दिलाने के लिए यह जरूरी है। रेड्डी ने दावा किया, देश में दो परिवार हैं। एक मोदी का परिवार, जो संविधान को खत्म करने में लगा है। दूसरा राहुल जी का परिवार, जो संविधान को बचाने में लगा है।

'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना का पूर्ण विवरण

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना को मंज़ूरी दे दी। आइये जानते हैं कि यह योजना क्या है।

1. वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना क्या है?

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन एक नई केंद्रीय योजना है, जिसके तहत देश भर में विद्वानों के शोध लेखों और जर्नल प्रकाशनों तक पहुंच प्रदान की जाएगी। इस योजना को सरल, उपयोगकर्ता के अनुकूल व पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

2. यह कैसे काम करेगी?

सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों और केंद्र सरकार की अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं के लिए 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' सुविधा होगी। उच्च शिक्षा विभाग के पास एक एकीकृत पोर्टल होगा जिसके माध्यम से संस्थानों की पत्रिकाओं तक पहुंच सुलभ हो सकेगी। 'द अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन' (एएनआरएफ) समय-समय पर वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन के उपयोग और इन संस्थानों के भारतीय लेखकों के प्रकाशनों की समीक्षा करेगा।

3. आबंटित बजट कितना है?

एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में तीन कैलेंडर वर्षों - 2025, 2026 और 2027 के वास्ते वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन के लिए लगभग 6,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन भारत के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच को अधिकतम करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में पिछले एक दशक में केंद्र द्वारा शुरू की गई पहलों की सीमा के दायरे और पहुंच को आगे बढ़ाएगा।

भारत में 2030 तक 5जी ग्राहकों की संख्या तीन गुना होने की उम्मीद : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली दिग्गज कंपनी एरिक्सन ने मंगलवार को कहा कि भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या वर्ष 2030 तक तीन गुना होकर 97 करोड़ पर पहुंचने की उम्मीद है, जो कुल मोबाइल ग्राहक आधार का 74 प्रतिशत होगा। एरिक्सन कंज्यूमरलैब की इस शोध रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है।

इसके मुताबिक, रचनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनरेटिव एआई) से जुड़े अनुप्रयोग 5जी प्रदर्शन के प्रमुख प्रेरक के तौर पर उभर रहे हैं।

एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या 2024 के अंत तक 27 करोड़ से अधिक हो जाएगी जो देश में कुल मोबाइल ग्राहकों का 23 प्रतिशत होगा।

एरिक्सन के नेटवर्क समाधान, सॉफ्टवेयर और प्रदर्शन खंड के दक्षिण-पूर्व एशिया, ओशनिया और भारत क्षेत्र के प्रमुख उमंग जिंदल ने कहा, 2030 के अंत तक भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या लगभग 97 करोड़ तक पहुंच जाने की उम्मीद है। यह कुल मोबाइल ग्राहकों का 74 प्रतिशत है।

रिपोर्ट कहती है कि साल 2024 के अंत तक वैश्विक 5जी सदस्यता लगभग 2.3 अरब हो जाने का अनुमान है जो कुल मोबाइल ग्राहकों का 25 प्रतिशत होगा। वहीं वर्ष 2030 तक 5जी ग्राहकों की संख्या वैश्विक स्तर पर 6.3 अरब होने की संभावना है।

जिंदल ने कहा कि वर्ष 2027 में 5जी ग्राहकों की संख्या वैश्विक 4जी सदस्यों से अधिक हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने 6जी सेवा की शुरुआत 2030 में होने की संभावना भी जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले पांच वर्षों में जेन एआई ऐप का उपयोग करने वाले स्मार्टफोन ग्राहकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत में लगभग 67 प्रतिशत 5जी स्मार्टफोन धारक अगले पांच वर्षों के भीतर जेन एआई ऐप का इस्तेमाल करने लगेंगे।

भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भू-स्थानिक आंकड़ों के उपयोग बढ़ाने को प्रतिबद्ध : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत तेजी से हो रहे शहरीकरण और पर्यावरण क्षरण की चुनौतियों से निपटने के लिए एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 'भू-स्थानिक' आंकड़ों के उपयोग को बढ़ाने को प्रतिबद्ध है। भू-स्थानिक का तात्पर्य ऐसे आंकड़ों से है जो किसी भौगोलिक स्थान से संबंधित हो।

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन एशिया-प्रशांत सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि भू-स्थानिक आंकड़ों के उपयोग से समावेशी विकास, समान रूप से संसाधन मिलने और सभी के लिए सतत विकास सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है। सिंह ने कहा, साथ काम कर हम सर्वोत्तम उपायों को साझा कर सकते हैं और अपने क्षेत्र के समक्ष पेश आने वाली विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने में एक-दूसरे का सहयोग कर सकते हैं - चाहे तेजी से हो रहा शहरीकरण हो, पर्यावरण क्षरण हो रहा हो, या प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो। तीस देशों के 90 प्रतिनिधियों तथा भारत के 120 प्रतिनिधियों के साथ, यह सम्मेलन ज्ञान साझा करने, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में प्रगति पर चर्चा करने तथा सदस्य देशों और संयुक्त राष्ट्र वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन की अन्य क्षेत्रीय समितियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

लोग सावधि जमा को दे रहे तरजीह, चालू खाते-बचत खाते से अधिक रही वृद्धि : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। लोग सावधि जमा को तरजीह दे रहे हैं। आकर्षक ब्याज के साथ सावधि जमा की वृद्धि चालू खाते और बचत खाते (कासा) में वृद्धि को पार कर गई है।

इसकी कुल जमा में हिस्सेदारी बढ़कर इस साल सितंबर में 61.4 प्रतिशत हो गई जो एक साल पहले 59.8 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व

बैंक (आरबीआई) के आंकड़े से यह जानकारी मिली है। आरबीआई ने मंगलवार को तिमाही 'बुनियादी सांख्यिकीय रिटर्न' (बीएसआर): अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास जमा - सितंबर 2024 जारी किया। इसमें कहा गया है, सख्त मौद्रिक नीति के साथ बड़ी मात्रा में जमा राशि उच्च ब्याज दर वाली सावधि जमा में स्थानांतरित हुई है। सात प्रतिशत से अधिक ब्याज दर वाली सावधि जमा बढ़कर 68.8 प्रतिशत हो गई है, जो एक साल पहले 54.7 प्रतिशत थी।

आंकड़ों के अनुसार, बैंक जमा वृद्धि सालाना आधार पर सितंबर, 2024 में 11.7 प्रतिशत रही। यह पिछली तिमाही के लगभग बराबर है।

टोटलएनर्जीज के फैसले का कोई भौतिक प्रभाव नहीं होगा : अदाणी समूह

नई दिल्ली/भाषा। संकटग्रस्त अरबपति गौतम अदाणी के समूह ने मंगलवार को कहा कि फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टोटलएनर्जीज के समूह में नए निवेश को रोकने के फैसले से परिचालन तथा वृद्धि योजनाओं पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि नए वित्त पोषण पर कोई चर्चा जारी नहीं है।

फ्रांस की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज ने सोमवार को कहा था कि वह अदाणी समूह की कंपनियों में तब तक कोई नया निवेश नहीं करेगी जब तक कि भारतीय कंपनी के संस्थापक (गौतम अदाणी) को रिश्वत के आरोपों से मुक्त नहीं कर दिया जाता। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि टोटलएनर्जीज के साथ किसी नई वित्तीय प्रतिबद्धता पर चर्चा जारी नहीं है। यह 25 नवंबर के टोटलएनर्जीज के बयान पर स्पष्टीकरण था। एजीईएल ने कहा, इसलिए प्रेस

विज्ञप्ति (जिसके माध्यम से फ्रांसीसी कंपनी ने अपने निर्णय की घोषणा की) का कंपनी के परिचालन या उसकी वृद्धि योजना पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। टोटलएनर्जीज उद्योगपति गौतम अदाणी की कंपनियों में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है। उसने पूर्व में समूह के नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. और शहरों में गैस वितरण करने वाली इकाई अदाणी टोटल गैस लि. (एटीजीएल) में हिस्सेदारी ली थी।

फ्रांस की कंपनी ने सोमवार को कहा था कि उसे अमेरिकी अधिकारियों द्वारा अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. के लिए सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध हासिल करने को लेकर भारतीय अधिकारियों को कथित तौर पर 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने के मामले में शामिल होने के लिए गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों पर आरोप लगाए जाने के मामले का पता चला है।

टोटलएनर्जीज ने कहा, यह मामला न तो अदाणी ग्रीन एनर्जी को निशाना बनाता है, न ही उससे संबंधित किसी कंपनी को। उसने कहा, जब तक अदाणी समूह के व्यक्तियों के खिलाफ आरोप और उनके परिणाम स्पष्ट नहीं हो जाते, टोटलएनर्जीज अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश के हिस्से के रूप में कोई नया वित्तीय योगदान नहीं करेगी।

तेलुगु अभिनेता श्री तेज पर धोखाधड़ी और शादी का झांसा देने के आरोप में मामला दर्ज

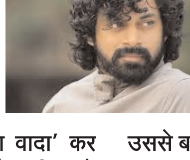

हैदराबाद/भाषा। तेलुगु अभिनेता श्री तेज के खिलाफ 34 वर्षीय एक महिला की उस शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया है जिसमें उसने अभिनेता पर 'लिव-इन' में रहने के दौरान 'शादी का झूठा वादा' कर धोखा देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, दोनों दो-तीन महीने से 'लिव-इन' संबंध के तहत रह रहे थे। महिला ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि अभिनेता ने उसे धोखा दिया और अब वह उससे बच रह रहे हैं। महिला की शिकायत पर एक 'शून्य प्राथमिकी' (अपराध के अधिकार क्षेत्र की परवाह किए बिना दर्ज की गई प्राथमिकी) शुरू में गाचीबोवली पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि बाद में इसे कुकटपल्ली पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मंगलवार को मामला फिर से दर्ज किया गया जिसमें झांसा और धोखा देकर यौन संबंध स्थापित करने का आरोप शामिल है। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश, गहरा दबाव क्षेत्र के चक्रवात में तब्दील होने की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के कई इलाकों में मंगलवार को भारी बारिश होने के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव क्षेत्र और गहरे दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया है और 27 नवंबर को यह चक्रवात में तब्दील हो सकता है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने एहतियाती उपायों की समीक्षा के लिए यहां सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। हालात से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य की टीम को तिरुवरूर, मयिलादुथुराई, नागपत्तनम और कुड्डालोर जिलों के लिए रवाना किया गया है।

चेन्नई और आसपास के जिले चेंगलपेट, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर, उत्तरी तटीय शहर कुड्डालोर और नागपत्तनम सहित कावेरी डेल्टा क्षेत्र उन स्थानों में शामिल हैं जहां बारिश हुई। इन इलाकों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई।

बारिश के कारण चेन्नई के ओएमआर रोड समेत कई इलाकों में भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिला और सड़कों पर पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ। साथ ही चेन्नई आ रहीं सात उड़ानों के उतरने में देरी हुई। सरकारी सहकारी कंपनी आविन ने कहा कि उसने लोगों को निर्बाध दूध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए हैं और यहां उसके आठ पार्लर चौबीस घंटे खुले रहेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए स्टालिन ने स्थिति से निपटने के लिए कार्ययोजना की समीक्षा की।

मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, नागपत्तनम, तिरुवरूर, तंजावुर और कुड्डालोर जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। स्टालिन की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिलाधिकारियों और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वे अधिकारी शामिल हुए जिन्हें वर्षा संबंधी कार्यों की निगरानी और समन्वय का कार्य सौंपा गया है।

जिलाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि पर्याप्त संख्या में राहत शिविर और चिकित्सा दल तैयार हैं और अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। स्टालिन ने अधिकारियों से कहा कि राहत केंद्रों को सभी सुविधाओं के साथ 'तैयार' रखा जाना चाहिए और निचले इलाकों से लोगों को पहले ही निकाला जाना चाहिए। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक तंजावुर जिले में एनडीआरएफ की दो टीम भेजी गई हैं। तिरुवरूर, मयिलादुथुराई, नागपत्तनम और कुड्डालोर जिलों में से प्रत्येक के लिए दो टीम (एक एनडीआरएफ की और दूसरी राज्य की) भेजी गई हैं।

विज्ञप्ति के मुताबिक मछुआरों को पहले ही समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है और अधिकांश नावें किनारे पर लौट आई हैं। इसमें कहा गया कि गहरे समुद्र में मछली पकड़ने गए मछुआरों को निकटतम बंदरगाहों पर जाने को कहा गया है। राज्य और जिला स्तर पर आपात परिचालन केंद्र स्थापित किए गए हैं जो 24 घंटे सातों दिन काम करेंगे। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन, मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम और राज्य के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया। आईएमडी के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव एक गहरे दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया है और यह चेन्नई से लगभग 770 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व तथा नागपत्तनम से 570 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में स्थित है। आईएमडी ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर अद्यतन जानकारी देते हुए पोस्ट किया, इसके उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने तथा 27 नवंबर को चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की पूरी आशंका है। इसके बाद, यह अगले दो दिनों तक श्रीलंका तट को छूते हुए उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर तमिलनाडु तट की ओर बढ़ेगा।

आईआईटी मद्रास साझेदार बोधब्रिज के साथ शिक्षकों को देगा नि:शुल्क परामर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन, स्कूल शिक्षकों को कैरियर परामर्श प्रमाणन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्रों द्वारा संचालित कंपनी बोधब्रिज एजुकेशन के साथ साझेदारी कर रहा है। यह सेवा स्कूली छात्रों के लाभ के लिए नि:शुल्क प्रदान की जा रही है, जिनके साथ शिक्षक काफी समय बिताते हैं, जिससे उन्हें उनकी ताकत, कमजोरियों और रुचियों को समझने में मदद मिलती है। यह अनूठी स्थिति उन्हें किसी छात्र की क्षमता को पहचानने और उन्हें उन दिशाओं में मार्गदर्शन करने में सक्षम बनाती है, जिनमें वे उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक कम उम्र में ही आकांक्षाओं को विकसित करने में मदद कर सकते हैं, छात्रों को कैरियर के लक्ष्यों की कल्पना करने में मदद कर सकते हैं और उन्हें उनके लिए काम करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों को सशक्त बनाना है, जो देश भर में स्कूली छात्रों के प्रथम परामर्शदाता हैं, तथा उन्हें आवश्यक कैरियर मार्गदर्शन कौशल से लैस करना है, ताकि वे छात्रों को अच्छी तरह से सूचित शैक्षिक और कैरियर पथ की ओर मार्गदर्शन करने में सक्षम हो सकें।

अल्पावधि में इस पहल का लक्ष्य 10,000 लोगों को कवर करना है। अगले 3 महीनों में भारत भर के 5,000 स्कूलों के स्कूली शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का पहला बैच 14 दिसंबर को शुरू होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 12 दिसंबर 2024 है । यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षकों, स्कूल प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और परामर्शदाताओं के लिए खुला है। इस प्रमाणन कार्यक्रम में भागीदारी नि:शुल्क है। इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान न केवल आपके छात्रों को लाभान्वित करेगा बल्कि शिक्षकों और सलाहकारों के रूप में आपके कौशल को भी बढ़ाएगा।

इस तरह के पाठ्यक्रमों के महत्व पर विस्तार से बताते हुए, आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन के मुख्य ज्ञान अधिकारी, बालामुरली शंकर ने कहा, इस सहयोग के साथ हमारा लक्ष्य शिक्षकों को अपने स्कूलों में प्रभावी करियर परामर्शदाता के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाकर एक सार्थक प्रभाव डालना है। छात्रों को एक संपूर्ण करियर के लिए नींव बनाने में मदद करने में शिक्षक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह प्रशिक्षण नि:शुल्क प्रदान करके, हम शिक्षकों के लिए ऐसे कौशल विकसित करने के लिए सुलभ मार्ग बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अनगिनत छात्रों के भविष्य को आकार दे सकते हैं।

नए बीआईएस लाइसेंसधारियों के साथ जागरूकता बैठक का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बीआईएस, चेन्नई शाखा कार्यालय ने 26 नवंबर को भारतीय मानक ब्यूरो, दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई में मानक संवाद-नए बीआईएस लाइसेंसधारियों के साथ जागरूकता बैठक का आयोजन किया। जी. भवानी, वैज्ञानिक-एफ/वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख (चेन्नई शाखा कार्यालय) ने लाइसेंसधारियों को बताया कि यह मानक संवाद उनके उत्पादों और सेवाओं में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए हमारी प्रशंसा और समर्पण को व्यक्त करने के लिए है। उन्होंने यह भी बताया कि मानक संवाद लाइसेंसधारियों को संसाधनों, विशेषज्ञता और नेटवर्क से परिचित होने के लिए एक मंच प्रदान करता है जो निरंतर सुधार और नवाचार का समर्थन करने के लिए बीआईएस प्रदान करता है।

कार्यक्रम में बीआईएस के बारे में संक्षिप्त अभिविन्यास सत्र आयोजित किया गया, जिसके बाद स्वागत किट वितरित की गई। इस किट में आवश्यक सामग्री और जानकारी है जो लाइसेंसधारियों को गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर देश के अग्रणी संगठन के साथ जुड़ने में सहायता करेगी। कार्यक्रम के दौरान नए लाइसेंसधारियों को मूल लाइसेंस दस्तावेज़ भी जारी किया गया। लाइसेंसधारियों को अन्य नए लाइसेंसधारियों और बीआईएस अधिकारियों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर भी मिला। श्रीजीत, वैज्ञानिक-डी और दिनेश राजगोपालन, वैज्ञानिक-डी ने संवेदनशीलता बैठक का संचालन किया। लाइसेंसधारियों की ओर से कार्यक्रम के लिए गुणवत्ता नियंत्रण कार्मिक के साथ शीर्ष प्रबंधन अधिकारी को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में लगभग 60 लाइसेंसधारियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सात पर्यटक स्थलों पर जन सुविधाओं का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने राज्य में और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए सात पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण के बाद, उनसे संबंधित सुविधाओं का मंगलवार को लोकार्पण किया। तमिलनाडु पर्यटन विभाग ने होगेनक्कल जलप्रपात क्षेत्र, कोल्ली हिल्स, अंडीपलायम झील, वट्टमलाई, मुट्टम बीच, एंथियूर झील और मन्नारगुडी स्थित हरिद्रनाथी मंदिर तालाब का 27.34 करोड़ रुपये की लागत से सौंदर्यीकरण और अन्य कार्य कराए हैं। यहां जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक प्रवेश द्वार, शौचालय, टिकट क्षेत्र, रेस्तरां, बोटहाउस, स्नान घाट, कपड़े बदलने के लिये कमरों का निर्माण कार्य हुआ है और पार्किंग स्थल में सुधार कार्य, स्वागत, पैदल मार्ग, रोमांचक खेल गतिविधियों, बच्चों के खेल क्षेत्र और निगरानी कैमरे लगाने जैसे कार्य पूरे हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में आयोजित एक समारोह में 30.27 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 17 नए उप रजिस्ट्रार कार्यालय भवनों का ऑनलाइन उद्घाटन भी किया।

राष्ट्रपति मुर्मू का चार दिवसीय तमिलनाडु दौरा आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चार दिवसीय दौरे के तहत 27 से 30 नवंबर तक तमिलनाडु में रहेंगी। उनके कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, राष्ट्रपति मुर्मू 28 नवंबर को रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के संकाय सदस्यों और छात्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू 29 नवंबर को उदगमंडलम स्थित राजभवन में आदिवासी महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और नीलगिरि जिले के आदिवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, राष्ट्रपति 30 नवंबर को तिरुवरूर में तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

द्रमुक ने राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण पर संसद में चर्चा की मांग की

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रमुक नेता टी.आर. बालू ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्य सूची में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर चर्चा शामिल करने का आग्रह किया। बिरला को लिखे पत्र में द्रमुक संसदीय दल के नेता ने दावा किया कि विद्वानों और आम जनता ने इस बात पर व्यापक रूप से गौर किया है कि संविधान की कुछ प्रमुख विशेषताओं का राष्ट्रपति के अभिभाषण में उल्लेख नहीं किया गया, जिनमें 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि इसे सरकार द्वारा तैयार और अनुमोदित किया गया होगा।'' इससे पहले दिन में, मुर्मू ने 'संविधान दिवस' के अवसर पर लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया था। बालू ने कहा, 'राष्ट्रपति द्वारा दिया गया अभिभाषण एक अनूठा और महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य संवैधानिक मूल्यों को देश के सभी नागरिकों तक पहुंचाना है, ताकि हर देशवासी राष्ट्रपति के भाषण की विषय-वस्तु को समझ सके।' द्रमुक नेता ने कहा कि ''संसद की प्रक्रिया में यह विचार किया गया है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राष्ट्र को और अधिक जागरूक करने के लिए चर्चा की अनुमति दी जानी चाहिए।''

आरबीआई गवर्नर दास को एसिडिटी की शिकायत, अस्पताल से छुट्टी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/ मुंबई। एसिडिटी से जुड़ी शिकायत के चलते बीती रात चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास को मंगलवार को छुट्टी दे दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि दास अब ठीक हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

दास को सोमवार रात एसिडिटी से जुड़ी समस्या होने के बाद निगरानी के लिए चेन्नई के अपोलो हॉस्पिटल्स में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने दिन में अपने स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा कि आरबीआई गवर्नर की सेहत को लेकर

चिंता की कोई बात नहीं है।

दास का आरबीआई गवर्नर के तौर पर मौजूदा कार्यकाल अगले महीने खत्म हो रहा है। उन्होंने 12 दिसंबर, 2018 को तीन साल की अवधि के लिए आरबीआई के 25वें गवर्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्हें 2021 में तीन साल का एक और कार्यकाल विस्तार दिया गया था।

वित्त मंत्रालय में राजस्व और आर्थिक मामलों के विभाग के पूर्व सचिव दास ने अपने 38 वर्षों से अधिक के अनुभव में केंद्र और राज्य सरकारों में वित्त, कराधान, उद्योग और बुनियादी ढांचा विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। तमिलनाडु कैडर के 1980 बैच के आईएएस अधिकारी दास मई, 2018 में सेवानिवृत्त हुए थे।

मेरा भारत की तमिलनाडु इकाई ने चेन्नई में 'मेरा संविधान मेरा गौरव' पदयात्रा के साथ संविधान दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मेरा भारत (नेहरू युवा केंद्र संगठन - एनवाईकेएस) तमिलनाडु इकाई ने 26 नवंबर 2024 को डॉन बॉस्को टेक कैंपस, पुलियानथोप्पु, चेन्नई में 'मेरा संविधान - मेरा गौरव' पदयात्रा (रैली) के साथ संविधान दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में स्कूली छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई और कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने इसमें भाग लिया।

रैली को तमिलनाडु सरकार के पूर्व दुग्ध एवं डेयरी विकास मंत्री श्री मनो थंगराज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एनवाईकेएस तमिलनाडु एवं पुडुचेरी के राज्य

निदेशक एस सेंथिल कुमार ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा युवाओं में संवैधानिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए संविधान दिवस मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह के एक भाग के रूप में, विद्यार्थियों ने संविधान की रक्षा करने की शपथ ली तथा इसके सिद्धांतों को कायम रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अपने संबोधन में मनो थंगराज ने लोकतंत्र की रक्षा और समानता को बढ़ावा देने में संविधान की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द सरकार को धर्म से अलग करने के लिए लाया गया था। ऐसा इसलिए किया गया ताकि भारत सरकार किसी विशेष धर्म का पालन या पक्ष न करे, बल्कि हर धर्म का समान रूप से पक्ष लिया जाए। उन्होंने कहा कि संविधान में समानता का अधिकार निहित है, जो कानून के समक्ष सभी के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करता है और विभिन्न आधारों पर भेदभाव को रोकता है। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि कानून के समक्ष सभी के साथ समान व्यवहार हो, कुछ मामलों में सभी को समान अवसर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि संविधान में प्रत्येक नागरिक के लिए 11 मौलिक कर्तव्य बताए गए हैं। उन्होंने छात्रों से संविधान को गहराई से समझने और उसका पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने आम आदमी की आवाज को बुलंद करने में संविधान द्वारा दिए गए स्थानीय शासन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। थंगराज ने संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए। प्रेस सूचना ब्यूरो के संयुक्त निदेशक अरुण कुमार ने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बीच अंतरसंबंध को रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों को अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करने और अपने कर्तव्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे एक जिम्मेदार और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण हो सके। इस कार्यक्रम में थिरु विका निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पी शिवकुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति भी रही, जिससे यह एक यादगार अवसर बन गया। माई भारत (एनवाईकेएस) तमिलनाडु की यह पहल संविधान के बारे में जागरूकता पैदा करने और प्रगतिशील राष्ट्र को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए युवाओं को सार्थक गतिविधियों में शामिल करने के महत्व का उदाहरण है।

समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने हैदराबाद में आयोजित बैठक में रेप्को बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा की। इस अवसर पर रेप्को बैंक के अध्यक्ष ई संथानम, प्रबंध निदेशक ओ एम गोकुल निदेशक संयुक्त सचिव एफएफआर विभाग गृह मंत्रालय अनंत कुमार सरन तथा रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष सी थंगराजू सहित बैंक के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। रेप्को बैंक भारत सरकार का एक उद्यम है जो सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है। रेप्को बैंक का वार्षिक कारोबार 20500 करोड रुपए से अधिक है तथा यह प्रतिवर्ष लाभ कमाने वाले संस्थान है। बैंक सदैव अपने शेयरधारको को लाभांश घोषित करता है। हाल में बैंक ने 56वा स्थापना दिवस मनाया है। बैंक ने ग्राहकों हेतु एक नई जमा योजना रेप्को 56 की शुरुआत की है जो की वरिष्ठ नागरिकों को उनकी जाम पर 8.757 का उच्चतम ब्याज देने का पेशकश करता है।

खींवसर सीट पर भाजपा की जीत के बाद राजस्थान में कई जगह लगे 'मूंछ' के पोस्टर व होर्डिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की खींवसर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार की जीत के बाद इस इलाके के साथ साथ राजधानी जयपुर के सिविल लाइंस इलाके में 'मूंछ' के पोस्टर व होर्डिंग लगे हैं। इसे भाजपा की 'जीत' के जश्न के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने उपचुनाव के प्रचार के दौरान कहा था कि अगर भाजपा यह चुनाव नहीं जीती तो वह अपनी मूंछ मुंडवा लेंगे। सीट भाजपा के उम्मीदवार रेवंतराम डांगा ने जीत ली है।

इसके बाद खींवसर में कई जगह 'मूंछ' वाले पोस्ट 'खींवसर हैशटैग' के साथ नजर आए। सोमवार को जयपुर के सिविल लाइंस इलाके में भी मूंछ वाले पोस्टर-होर्डिंग्स सड़कों के किनारे लगे नजर आए। राज्य के मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री का बंगला इसी इलाके में है।

नागौर जिले की जाट बहुल खींवसर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के प्रमुख और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का गढ़ मानी जाती थी। भाजपा के रेवंतराम डांगा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आरएलपी की उम्मीदवार कनिका बेनीवाल को 13,901 मतों के अंतर से हराया। कनिका, बेनीवाल की पत्नी हैं। भाजपा उम्मीदवार की जीत के बाद मंत्री ने उनकी कसम और मूंछ का सम्मान करने के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। परिणाम घोषित होने के बाद मंत्री के समर्थक जीत का जश्न 'मूंछ' की जीत के रूप में मना रहे हैं। नतीजों के बाद जयपुर के सिविल लाइंस इलाके में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के घर के बाहर समेत खींवसर में कई जगहों पर मूंछ के पोस्टर लगे हैं। सिविल लाइंस में मंत्री के बंगले के प्रवेश द्वार सहित अनेक स्थानों पर मूंछ के पोस्टर लगाए गए हैं।

मंत्री ने कहा, मैं मतदाताओं का आभारी हूं कि उन्होंने मेरी कसम का सम्मान किया। मैं और मेरा परिवार उनकी सेवा करता रहा है और करता रहेगा। हनुमान बेनीवाल ने 2008 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में खींवसर सीट जीती थी और 2013 के चुनाव में निर्दलीय के रूप में वह इस सीट से विधानसभा पहुंचे थे। बाद में उन्होंने आरएलपी बनाई और 2018 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर जीत हासिल की। जाट नेता ने भाजपा के साथ गठबंधन करके नागौर से 2019 का लोकसभा चुनाव जीता और खींवसर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में अपने भाई नारायण बेनीवाल को मैदान में उतारा।

नारायण बेनीवाल ने उपचुनाव जीता। आरएलपी 2023 के लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा थी और हनुमान वहां से फिर विधायक चुने गए। उनके 2024 में लोकसभा के लिए चुने जाने पर यह सीट खाली हो गई और उपचुनाव हुआ। इस बार कांग्रेस ने बिना किसी गठबंधन के उपचुनाव लड़ने का फैसला किया और रतन चौधरी को मैदान में उतारा। हालांकि, चौधरी केवल 5,454 वोट हासिल कर सकीं।

नवनिर्वाचित भाजपा विधायक डांगा आरएलपी के गठन के समय हनुमान बेनीवाल के करीबी सहयोगी थे लेकिन बाद में पार्टी में अनदेखी के बाद वह अलग हो गए। उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया। पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुईं पूर्व कांग्रेस सांसद ज्योति मिर्धा ने डांगा को भाजपा में लाने में अहम भूमिका निभाई थी। हनुमान बेनीवाल और ज्योति मिर्धा पुराने प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। बेनीवाल ने 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में मिर्धा को हराया था। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर नागौर के खींवसर कस्बे से ताल्लुक रखते हैं। वह जोधपुर के लोहावट से विधायक हैं। वह खींवसर में भाजपा के चुनाव प्रबंधन की देखरेख कर रहे। राज्य की सात सीट पर हाल ही में उपचुनाव हुआ। शनिवार को घोषित नतीजों में सत्तारूढ़ भाजपा ने पांच सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने एक-एक सीट जीती।

संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही देता है कर्तव्यों की भी सीख : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की मूल भावना को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से संविधान की मूल भावना को साकार किया है। जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदमों से राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों जिससे समावेशी समाज का निर्माण हो सके।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित 'संविधान दिवस कार्यक्रम' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन संविधान की महिमा का उत्सव और उन महान व्यक्तित्वों को याद करने का दिन है, जिन्होंने इस अद्भुत दस्तावेज का निर्माण किया। श्री शर्मा ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे प्रभावी संविधान है। यह हमारे लोकतंत्र का आधार होने के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का मार्गदर्शक भी है। इसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही कर्तव्यों की भी सीख देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश सैंकड़ों सालों की गुलामी सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा रहा क्योंकि हमारे पूर्वजों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन किया। हम सब भी अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा से पालन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को हमारा संविधान अपनाया गया था और 26 जनवरी, 1950 को ये लागू हुआ, लेकिन संविधान दिवस मनाने की शुरुआत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की। यह संविधान के मूल्यों, आदर्शों और हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास था। प्रधानमंत्री जी ने इस दिन को चुनकर हमें यह स्मरण कराया कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और इसकी सुरक्षा और सम्मान हमारा प्रथम कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माण में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान के अन्य महान शिल्पियों का अतुलनीय योगदान है जिनकी कड़ी मेहनत और दूरदृष्टि की वजह से ही हमें ऐसा महान संविधान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का निर्माण करवाया, जिससे उनके योगदान को सम्मान मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संविधान दिवस के संदेश को प्रदेशवासियों तक पहुंचाने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। हम संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों की पालना के बेहतर प्रयासों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस पर अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए अभियान चलाने जैसे प्रयास राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। साथ ही, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में विद्यालयों एवं सरकारी कार्यालयों में संविधान की प्रस्तावना के पठन सहित विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान को आत्मसात कर इसे सार्वजनिक जीवन में लागू करना तथा अपने कर्तव्यों का सर्वोत्तम पालन करना ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि संविधान में दिए गए मूल्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हमारा संविधान केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतिबंब है। उन्होंने कहा कि हम सब एक नागरिक के रूप में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें लेकिन कर्तव्यों को भी नहीं भूलें तथा आपसी सहभागिता से सुशासन की स्थापना कर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने में योगदान दें।

जयपुर को बनाया जाएगा भिक्षावृत्ति मुक्त जिला, अभियान के तहत होगा पुनर्वास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर जिला कलेक्टर डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिये विभागीय अधिकारी आपसी सहयोग एवं समन्वय से हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलेक्टर ने भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों का प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया ताकि ऐसे व्यक्ति भिक्षावृत्ति को छोड़कर अपने कौशल और मेहनत के दम पर सम्मानजनक जीवन शुरू करें। सोनी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास को लेकर बैठक ली। जयपुर में आगामी नौ से 11 दिसंबर तक राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन होगा। इस विश्व स्तरीय आयोजन में जयपुर की गौरवशाली परंपरा एवं छवि धूमिल न हो, इसके लिये भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का जल्द से जल्द पुनर्वास सुनिश्चित किया जायेगा। जिला कलेक्टर ने राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के अधिकारियों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चिह्नित भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की सूची के अनुसार 25 व्यक्तियों का एक बैच बनाकर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, प्रशिक्षित व्यक्तियों को विभागों द्वारा संचालित एवं बैंकों द्वारा उपलब्ध ऋण अथवा अनुदान एवं अन्य योजनाओं से जोडकर नियोजित करने के साथ-साथ फॉलो अप कार्यक्रम के द्वारा उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में संविधान दीर्घा का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा में संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। देवनानी ने विधानसभा में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह में राजनीतिक आख्यान संग्रहालय में नवनिर्मित संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति अश्रद्धा पैदा ना करें। संविधान के मूल ढांचे को कोई बदल नहीं सकता है। संविधान के बाईस भागों में हमारी संस्कृति और नैतिकता का विवरण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक संविधान को पढ़ें, उसे जानें और उसके अनुकूल जीवन जीने का प्रयास करें। उन्होंने संविधान को हमारी आत्मा और पवित्र ग्रंथ बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन मूल्य एवं संस्कृति का स्वाभिमान भी है। संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक भारत के लोगों की आकांक्षाओं, मूल्यों और आदर्शों का प्रतिबिम्ब है।

उन्होंने इस संविधान दीर्घा में मूल संविधान के बाईस भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। देवनानी ने बताया कि संविधान दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और राष्ट्र के संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान, सांस्कृतिक और नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है। उन्होंने संविधान दिवस को संविधान निर्माताओं के प्रति श्रद्धाभाव प्रकट करने तथा उनके अविस्मरणीय योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का स्मरण दिवस बताया हैं। देवनानी की पहल पर पहली बार आयोजित संविधान दिवस समारोह में सैकडों की संख्या में अधिवक्ता, विधि संस्थानों के छात्र-छात्राओं के साथ ही गणमान्य नागरिक और राजस्थान विधानसभा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

देवनानी ने अधिवक्ताओं का आह्वान किया कि वे संविधान प्रदत्त अधिकारों की पालना कराने में सहयोगी बनें। संविधान की आत्मा और डॉ. भीमराव अंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरुप आज के समय की आवश्यकता के अनुसार लोगों को शीघ्र न्याय मिले, सस्ता न्याय मिले, संविधान की रक्षा हो, संविधान में निष्ठा हो और हम सभी असवैधानिक कार्यो से बचें। उन्होंने समाज और राष्ट्र हित में कार्य करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि संविधान के बाईस भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है।

ऑलमाइटी इंटरनेशनल गुरुवार को जयपुर में करेगा ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन

जयपुर। ऑलमाइटी इंटरनेशनल पहली बार जयपुर में गुरुवार को राष्ट्रीय स्तर के ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन करेगा। यह कार्यक्रम 28 नवंबर को नारायण सिंह सर्किल के पास स्थित नसियाजी सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मेघा शर्मा ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया एक दिवसीय एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव का उद्घाटन विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी करेंगे। डा शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य ज्योतिष और संबंधित प्राचीन विज्ञानों को आधुनिक समाज में अधिक प्रासंगिक बनाना और इसके वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्ष को जन-जन तक पहुंचाना है। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्रमुख ज्योतिषाचार्यों और वास्तुशास्त्रियों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण चर्चाएं और भविष्यवाणियां होंगी।

पाली की दुर्गा देवी को मिलेगा लोक कला साधक सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में पाली जिले की बाली तहसील के ग्राम पादरला की दुर्गा देवी को उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला का लोक कला साधक सम्मान 29 नवंबर को चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया देंगे। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि लोक कला साधक अवॉर्ड उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला द्वारा पिछले वर्ष स्थापित किये गये थे, जिसमें प्रत्येक वर्ष लोक नृत्य और लोक संगीत में अवॉर्ड दिये जाने का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक पुरस्कार की राशि पांच लाख रुपये है। ये पुरस्कार चंडीगढ़ कला मेले के उद्घाटन के अवसर पर समारोहपूर्वक दिये जाते हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य लोक कलाकारों का सम्मान और विलुप्त होती लोक कलाओं का संरक्षण करना है। इस वर्ष लोक नृत्य श्रेणी में यह पुरस्कार राजस्थान की तेरहताल की कलाकार दुर्गा देवी और हिमाचल प्रदेश के कुल्लुवी नाटी के वरिष्ठ कलाकार बालक राम ठाकुर को संयुक्त रूप से दिया जा रहा है। इसलिये पुरस्कार की राशि दोनों में विभाजित होकर प्रत्येक को 2.5 लाख रुपये दिये जायेंगे और सम्मान पट्टिका के साथ ही शॉल ओढ़ाकर पंजाब के राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

तेरहताली नृत्य बैठकर किया जाने वाला अनोखा नृत्य है, जिसमें शरीर पर तेरह छोटे छोटे मजीरे बांधकर उनकी ताल पर शरीर का अंग संचलन होता है। ज्ञात रहे कि पिछले वर्ष भी राजस्थान के जयपुर तमाशा के कलाकार वासुदेव भट्ट को ये पुरस्कार मिला था।

उदयपुर के सिटी पैलेस में विवादित हिस्से के लिए 'रिसीवर' नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर जिला प्रशासन ने शहर में स्थित सिटी पैलेस में विवादित हिस्से के लिए 'रिसीवर' नियुक्त किया है। अधिकारियों के अनुसार यह फैसला विश्वराज सिंह और उनके समर्थकों द्वारा पूजा स्थल धूणी के दर्शन के लिए प्रवेश करने को लेकर सोमवार रात हुए तनाव के बाद किया गया है। विश्वराज सिंह को सोमवार को उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के मुखिया के रूप में गद्दी पर बैठाया गया था। महेंद्र सिंह मेवाड़ (विश्वराज के पिता) और उनके छोटे भाई अरविंद सिंह मेवाड़ के बीच विवाद है और सिटी पैलेस विश्वराज के चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ के नियंत्रण में है। बड़ी पोल से धूणी तक के हिस्से के लिए 'रिसीवर' नियुक्त किए जाने के बाद विश्वराज सिंह सोमवार देर रात करीब 1.30 बजे धूणी के दर्शन किए बिना ही अपने निवास पर चले गए।

सिटी पैलेस में धूणी वह जगह है जहां विश्वराज को गद्दी पर बैठने के बाद दर्शन करने जाना था। उनका धूणी के बाद उदयपुर में एकलिंग नाथ जी मंदिर जाने का कार्यक्रम था, जो अरविंद सिंह के नियंत्रण में है। 'रिसीवर' अब क्षेत्र को अपने कब्जे में लेगा और प्रवेश के बारे में निर्णय करेगा।

उल्लेखनीय है कि महेंद्र सिंह मेवाड़ का हाल में निधन हो गया था। उनके बेटे विश्वराज का 'अभिषेक' करने की पारंपरिक रस्म 'दस्तूर' सोमवार को चित्तौड़गढ़ में की गई। इसके बाद उनका सिटी पैलेस में धूणी के दर्शन करने और फिर उदयपुर में एकलिंग नाथ जी मंदिर जाने का कार्यक्रम था।

ये दोनों ही स्थान अरविंद सिंह मेवाड़ के नियंत्रण में हैं और विश्वराज को दोनों स्थानों पर प्रवेश करने से रोकने के लिए उन्होंने अपने वकील के माध्यम से सोमवार को स्थानीय समाचार पत्रों में दो सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित करवाए थे। इनमें अतिक्रमण या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित होने के बाद स्थिति को संभालने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। समारोह के बाद विश्वराज और उनके समर्थक बड़ी संख्या में शाम को उदयपुर पहुंचे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। विश्वराज कई घंटों तक सिटी पैलेस के प्रवेश द्वार से कुछ मीटर की दूरी पर जगदीश चौक पर इंतजार करते रहे। इस दौरान उनके समर्थकों ने अवरोधक लांघने की कोशिश की और विरोध प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल और पुलिस अधीक्षक (एसपी) योगेश गोयल ने मामले में हस्तक्षेप किया और इसे सुलझाने के लिए विश्वराज सिंह एवं उनके चचेरे भाई लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ (अरविंद सिंह मेवाड़ के बेटे) से अलग-अलग कई दौर की बातचीत की। लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। इस बीच, देर रात सिटी पैलेस के मुख्य द्वार पर पथराव शुरू हो गया। दोनों तरफ से पथराव हुआ, जिसमें तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

तनाव बढ़ने के बाद अतिरिक्त जिलाधिकारी, उदयपुर ने सिटी पैलेस के विवादित हिस्से - बड़ी पोल से धूणी तक के लिए घंटाघर के थानाप्रभारी को 'रिसीवर' नियुक्त किया। 'रिसीवर' की नियुक्ति का नोटिस सिटी पैलेस के मुख्य द्वार पर चस्पा कर दिया गया है।

जोधपुर की महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के द्वारा निर्मित उत्पादों ने छोड़ी अपनी छाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 14 दिवसीय 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश करते जोधपुर के पाल गांव की कल्याणी स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों ने अपनी विशेष छाप छोड़ी है। मेले में आ रहे आगंतुक विशेषकर महिलाएं इनके स्टॉल पर जाकर समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके हुनर के बूते आत्मनिर्भर बनने के अनुभवों की जानकारी ले रही हैं। इन स्वयंसेवी महिलाओं के हूनर और उनके दृढ़ संकल्पों से उनके द्वारा हजारों लोगो को रोजगार देने तक के सफर की कहानी सुनकर लोग रोमांचित हो रहे हैं।

इन महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग क्षेत्र में अपनी मेहनत, सोच और निष्ठा से फर्श से अर्श तक की कहावत को मूर्त रूप दिया है। राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों को काफी पसंद किया जा रहा है और उनके हल्के वजन, कोमलता एवं गर्माहट की खासियत की बजह से खूब खरीदारी भी हो रही है। पवेलियन में जयपुरी रजाईयां के स्टोल संचालक अब्दुल रऊफ ने बताया कि जयपुरी रजाईयां बनाना बुनकरों का वंशानुगत व्यवसाय है और इसे वे पिछली कई पीढ़ीयों से करते आ रहे हैं।

रऊफ ने बताया कि रजाईयों को बनाने के लिए उच्च श्रेणी की शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कपास का प्रयोग किया जाता है। साथ ही आधुनिक फैशनेबल एवं राजस्थानी डिजाइनों में इन्हें बनाया जा रहा है जिसे ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के लिये अलग-अलग आकृति और आकार में रजाईयां उपलब्ध हैं।

संभल हिंसा : तुर्क-पठान बिरादरियों की प्रतिद्वंद्विता के दावों ने छेड़ी नई बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल, (उप्र)/भाषा। संभल में हुई सांप्रदायिक हिंसा में अब तुर्क और पठान समुदायों के बीच कथित प्रतिद्वंद्विता का एक नया पहलू सामने आने के दावे किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने हिंसा के लिए मुस्लिम समुदाय की इन दो बिरादरियों के बीच 'वर्चस्व की राजनीति' को जिम्मेदार ठहराकर एक नई बहस छेड़ दी है।

उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नितिन अग्रवाल ने सोमवार को 'एक्स' पर 'सपा प्रायोजित हिंसा' हैशटैग से की गई पोस्ट में कहा, संभल की आगजनी और हिंसा वर्चस्व की राजनीति का नतीजा है। तुर्क-पठान विवाद ने न केवल शांति भंग की, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए। उप्र पुलिस की तत्परता सराहनीय है।

हिंसा 'पूर्व नियोजित' थी : अग्रवाल ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में अपने दावे को दोहराते हुए कहा कि हिंसा 'पूर्व नियोजित' थी और यह तुर्क समुदाय से आने वाले संभल के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क और पठान बिरादरी का प्रतिनिधित्व करने वाले संभल सदर सीट से विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल के नेतृत्व वाले समूहों के बीच प्रतिद्वंद्विता के कारण पैदा हुई थी।

भीड़ ने अपने ही लोगों पर गोलियां चलायीं : संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने भी सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत में दो गुटों के बीच प्रतिद्वंद्विता की तरफ इशारा किया था। उन्होंने कहा था, भीड़ ने अपने ही लोगों पर पथराव किया और गोलियां चलायीं। इससे लगता है कि उनमें आपस में भी कुछ रहा होगा। संभल की एक स्थानीय अदालत के आदेश पर रविवार को कोट पूर्वी मुहल्ले में स्थित शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी तथा 25 अन्य जख्मी हो गए थे।

अदालत में दायर याचिका में दावा किया गया था कि यह स्थल मूल रूप से हरिहर मंदिर था। जहां मंत्री अग्रवाल ने हिंसा को तुर्क और पठान बिरादरियों की आपसी प्रतिद्वंद्विता से जोड़ा है, वहीं स्थानीय इतिहासकारों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने अलग-अलग नजरिये पेश किए हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मानवेंद्र कुमार पुंढीर ने तुर्क-अफगान बिरादरियों के बीच प्रतिद्वंद्विता के दावों को गलत बताया है। पुंढीर ने कहा, यह कहानी पूरी तरह से बेबुनियाद है और इसका कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है।उन्होंने कहा कि मध्य एशियाई आक्रमणकारियों और अफगानों के बीच मध्ययुगीन काल की प्रतिद्वंद्विता आज के समय में प्रासंगिक नहीं है। पुंढीर ने संवैधानिक सिद्धांतों के पालन पर जोर देते हुए कहा, ऐसे हर विवाद का फैसला देश के संविधान और पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 के आधार पर किया जाना चाहिए। अगर हम ऐसे ही मुद्दों को उठाते रहेंगे, तो इससे अराजकता पैदा होगी। बर्क और महमूद परिवारों के बीच प्रतिद्वंद्विता लंबे समय से संभल के राजनीतिक परिदृश्य पर छायी है। समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े दोनों परिवार अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते रहे हैं।

हालांकि, सपा के जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने दोनों नेताओं के बीच मनमुटाव के दावे को गलत बताते हुए कहा, ये आरोप निराधार हैं। दोनों नेताओं ने चुनावों में एक-दूसरे का समर्थन किया था।

आंबेडकर ने जो संविधान दिया था उसमें 'सेक्युलर' व 'समाजवादी' शब्द नहीं थे: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि हमारा सर्वसमावेशी, सर्व हितग्राही संविधान उच्चतम आदर्शों, नागरिक कर्तव्यों एवं अधिकारों की अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहेब ने सबसे पहले संविधान के रूप में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की आधारशिला रखी। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था, उसमें 'सेक्युलर' (पंथनिरपेक्ष) और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे। वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ दल पर तंज कसते हुए कहा कि संविधान का हर दिन तिरस्कार-अपमान हो रहा है, ऐसे में उत्सव मनाना हमारे सिद्धांतों के खिलाफ है। उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए! बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में रहने वाली खासकर कांग्रेस व भाजपा ने संविधान को इसकी असली जनकल्याणकारी मंशा के हिसाब से लागू नहीं किया, जो अति-दुखद है। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित समारोह में संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निर्माताओं को नमन किया। योगी के साथ उप्र के दोनों उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने उद्देशिका का वाचन किया। मौर्य और पाठक ने भी सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने सबसे पहले संविधान के रूप में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की आधारशिला रखी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संविधान के मूल स्वरूप को बदलने का प्रयास किया और देश की जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई।उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था, उसमें 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे। योगी ने कहा, जब दुनिया के अन्य लोकतंत्रों में भेदभाव जारी था, भारत ने पहले ही आम चुनाव में हर वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहब आंबेडकर और संविधान सभा की दूरदर्शिता का परिणाम है।

उपचुनाव में अपराधियों, माफियाओं और गुंडों की हार हुई : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा की नौ सीट पर उपचुनाव में से सात पर समाजवादी पार्टी की हार को मंगलवार को गुंडों, माफियाओं और अपराधियों की हार करार दिया और कहा कि प्रदेश में सपा का सूपड़ा साफ हो रहा है। उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, इस चुनाव में सपा की हार नहीं बल्कि अपराधियों, माफियाओं, गुंडों, दंगाइयों, भ्रष्टाचारियों और हत्यारों की हार हुई है।उन्होंने कहा, यह चुनाव कई दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सपा लगातार गुंडागर्दी, माफियागिरी, अपराध को हथियार बनाकर राजनीति करती रही है। इसलिए मैं कहता हूं कि समाजवादी पार्टी का हृदय, दिमाग, लीवर, किडनी यही सारे गुंडे, माफिया, दंगाई, भ्रष्टाचारी हैं।

संविधान ने देश में बदलाव लाने में उल्लेखनीय योगदान दिया : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र और भू-राजनीतिक नेता के रूप में उभरा है तथा इस बदलाव में देश के संविधान ने उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत की यात्रा परिवर्तनकारी रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने विभाजन और उसके बाद की भयावहता के बीच बड़े पैमाने पर निरक्षरता, गरीबी और संतुलन सुनिश्चित करने वाले मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली के अभाव से लेकर अब नेतृत्व करने वाला एवं आत्मविश्वास से भरा देश बनने तक का सफर तय किया है।

न्यायमूर्ति खन्ना ने उच्चतम न्यायालय में 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) द्वारा आयोजित संविधान दिवस समारोह में कहा, लेकिन इसके (इस यात्रा के) पीछे भारत का संविधान है, जिसने यह परिवर्तन लाने में मदद की। यह आज जीवन जीने का एक तरीका है, जिसका पालन किया जाना चाहिए। संविधान सभा द्वारा 1949 में भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने की याद में 2015 से हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इससे पहले इस दिन को विधि दिवस के रूप में मनाया जाता था। अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और एससीबीए अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा, श्री कपिल सिब्बल ने संविधान दिवस का घोषणापत्र पढ़ा। इसमें संविधान दिवस का संपूर्ण स्वरूप समाहित है, जो न्यायपालिका का हिस्सा होने के नाते हम सभी के लिए मायने रखता है।

हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। झारखंड के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के अभूतपूर्व ढंग से दूसरी बार सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय राजधानी की उनकी यह पहली यात्रा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोरेन और मोदी के बीच मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कीं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वाम दलों वाले 'इंडिया'गठबंधन का नेतृत्व करते हुए भाजपा नीत गठबंधन पर बड़ी जीत हासिल की।

सोरेन दूसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सोरेन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को बृहस्पतिवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मुलाकात कर उन्हें 28 नवंबर को 'अबुआ सरकार' (हमारी सरकार) के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

वंचित जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 85 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बिहार की नीतीश कुमार सरकार से वंचित जातियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को '85 प्रतिशत' आरक्षण देने के लिए नया विधेयक लाने का आग्रह किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने इस मामले पर अध्ययन के लिए एक समिति गठित करने की मांग की, जिसके आधार पर अनुसूचित जाति (एससी, अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईबीसी) के लिए उच्च कोटा वाला एक नया विधेयक लाया जाए। राजद नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि उसे पटना उच्च न्यायालय के वंचित जातियों के लिए बढ़ाए गए कोटे को रद्द करने के आदेश का विरोध करने वाले पक्षों में से एक बनाया जाए। यादव ने जाति आधारित गणना के बाद बिहार सरकार द्वारा बढ़ाए गए कोटा को चुनौती देने वाली याचिकाओं के पीछे ''भाजपा का हाथ'' होने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष के लगाए आरोपों पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने यादव को याद दिलाया कि जब सरकार ने जाति सर्वेक्षण के लिए अपनी मंजूरी दी थी तब राजद सत्ता में थी। सम्राट चौधरी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता एक संवैधानिक पद पर होते हुए न्यायपालिका के बारे में सवाल उठा रहे हैं।

केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों को दोयम दर्जे के नागरिक का दर्जा देने की कर रही साजिश : कांग्रेस

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहन प्रकाश ने मंगलवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर धार्मिक अल्पसंख्यकों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों को ''दोयम दर्जे के नागरिक'' बनाने की 'साजिश' करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के बिहार प्रभारी ने यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में ''संविधान दिवस'' के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

प्रकाश ने उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले की भी सराहना की, जिसमें दिवंगत इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में लाए गए एक संशोधन द्वारा प्रस्तावना में शामिल किए गए 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को बरकरार रखा गया था। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा आज संविधान पर घड़ियाली आंसू बहा रही है लेकिन सच्चाई यह है कि पार्टी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने संवैधानिक संशोधन की वैधता को चुनौती दी थी। अब, मोदी को इस मामले पर एक या दो शब्द बोलना चाहिए।

मणिपुर में 'रेडियो टैग' किया गया अमूर फाल्कन पक्षी केन्या पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के वैज्ञानिकों द्वारा 'रेडियो टैग' किया गया एक अमूर फाल्कन (बाज की प्रजाति) पक्षी, केन्या में प्रवेश कर गया और वह अब त्सवो ईस्ट राष्ट्रीय उद्यान की ओर बढ़ रहा है। एक वैज्ञानिक ने यह जानकारी दी।

देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'च्युलुआन- 2' नाम का 'अमूर फाल्कन' पक्षी सोमालिया पार कर केन्या में प्रवेश कर गया है।

तामेंगलोंग के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) खारीबाम हिटलर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 12 अक्टूबर को साइबेरियाई क्षेत्र से मणिपुर पहुंचे दो 'अमूर फाल्कन' को तामेंगलोंग वन प्रभाग की एक टीम और स्थानीय स्वयंसेवकों ने सुरेश कुमार की देखरेख में च्युलुआन चिड़ियों के बसेरा स्थल से पकड़ लिया। तामेंगलोंग जिले में भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों ने दोनों पक्षियों को 'रेडियो-टैग' किया। नर पक्षी का नाम 'च्युलुआन-2' और मादा का नाम 'गुआंगराम' रखा गया, जो तामेंगलोंग जिले के दो महत्वपूर्ण बसेरा वाले गांवों के नाम पर है।

सिंह ने कहा कि 'च्युलुआन-2' को 'सैटेलाइट ट्रांसमीटर' से 'टैग' करने के बाद आठ नवंबर को छोड़ा गया था और यह बिना रुके उड़ते हुए 15 नवंबर को उड़ीसा के तटीय इलाकों में पहुंचा तथा वहां से यह महाराष्ट्र गया तथा अरब सागर को पार करते हुए सोमालिया-केन्या की सीमा पर पहुंचा। उन्होंने बताया कि मादा पक्षी 'गुआंगराम' अभी मणिपुर से बाहर नहीं गई है। डीएफओ ने बताया कि अमूर फाल्कन, बाज परिवार का एक छोटा शिकारी पक्षी है। यह दक्षिण-पूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करता है।

एससी, एसटी, पिछड़ों के सामने खड़ी दीवार मजबूत कर रहे हैं मोदी और आरएसएस : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के सामने खड़ी दीवार को मजबूत करने का आरोप लगाया और यह भी कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार के समय इस दीवार को कमजोर करने का काम जितनी मजबूती से होना था, वो नहीं हो पाया।

कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों की ओर से आयोजित 'संविधान रक्षक अभियान' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस चाहे कुछ भी कर लें, देश में जाति जनगणना और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा तोड़ने का काम होकर रहेगा। उन्होंने दावा किया कि इस बात की गारंटी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान को नहीं पढ़ा है, क्योंकि यदि उन्होंने पढ़ा होता, तो वह वो काम नहीं करते, जो रोजाना करते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, आपके (एससी, एसटी, ओबीसी के) सामने दीवार खड़ी है, आप इस बात को समझते हैं। इस दीवार को नरेन्द्र मोदी और आरएसएस मजबूत करते जा रहे हैं। राहुल गांधी के अनुसार, 20 साल से देख रहा हूं...24 घंटे आपको बताया जाता है कि आपको जगह मिलेगी, लेकिन नहीं...धीरे-धीरे दीवार मजबूत होती है।उन्होंने कहा, संप्रग की सरकार ने मनरेगा दिया, जमीन का अधिकार दिया, भोजन का अधिकार दिया, वो दीवार को कमजोर करने के तरीके थे। आज मैं कह सकता हूं कि जिस प्रकार से दीवार को कमजोर करना था, हमने नहीं किया, जिस मजबूती से उस दीवार को कमजोर करने का काम करना था, हमने नहीं किया, संप्रग सरकार ने नहीं किया।

केजरीवाल ने 'आप' के स्थापना दिवस पर कहा- लोकतंत्र, संविधान को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 'आप' के स्थापना दिवस पर मंगलवार को कहा कि पार्टी अपनी ''ईमानदारी और लोगों के प्यार के कारण'' मजबूत हुई है तथा संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि पार्टी की स्थापना संविधान दिवस पर हुई है।उन्होंने कहा, यह महज संयोग नहीं हो सकता कि हमारी पार्टी का गठन संविधान दिवस पर हुआ। ईश्वर जानते हैं कि संविधान खतरे में पड़ने वाला है। उन्होंने पार्टी के शासन के मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह आम आदमी पर केंद्रित है।

केजरीवाल ने कहा, आप की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि हमने शासन का एक ईमानदार मॉडल दिया है। हमने दिल्ली के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाते हुए लोगों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं दी हैं।उन्होंने कहा, कुछ लोग दिखावे के लिए झुग्गी बस्तियों में आते हैं लेकिन बाद में वहां घरों को ढहाने के लिए बुलडोजर भेज देते हैं। लोगों को इस तरह के पाखंड के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की मांग को लेकर रैली निकाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सरकारी सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में रिक्त हजारों पदों को भरने के लिए शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग को लेकर शिक्षक पद के करीब 1,000 आकांक्षियों ने राजधानी कोलकाता में एक रैली निकाली और शहर के मध्य में डोरीना चौराहे पर यातायात अवरुद्ध कर किया।

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)-2022 में शामिल उम्मीदवारों ने सियालदह से एस्प्लेनेड क्षेत्र में डोरीना चौराहे तक करीब 1.5 किलोमीटर की दूरी तक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने चौरंगी रोड के एक हिस्से को 15 मिनट तक अवरुद्ध रखा जिससे यातायात बाधित रहा। इसके बाद वे निकटवर्ती रानी रासमोनी एवेन्यू स्थित धरना स्थल की ओर बढ़ गए। प्रदर्शनकारियों में डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएल ईडी) के अभ्यर्थी भी शामिल थे।

ओइक्या मंच के प्रवक्ता ने कहा, जब तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो जाती और सभी योग्य टीईटी, डीएलएड उम्मीदवारों की भर्ती नहीं हो जाती, तब तक हम सड़क पर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। प्राथमिक टीईटी उत्तीर्ण डीएलडी ओइक्या मंच (प्राथमिक टीईटी डीएलईडी संयुक्त मंच) ने 1.5 किलोमीटर लंबी इस रैली का आयोजन किया था।

दूसरा टेस्ट: क्या रोहित मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर राहुल से पारी का आगाज करना जारी रखेंगे?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की एडीलेड में अगले टेस्ट में भारतीय टीम में वापसी होगी लिहाजा इससे पहले कैनबरा में 30 नवंबर से होने वाले अभ्यास मैच में यह देखना दिलचस्प होगा कि वह खुद पारी का आगाज करते हैं या लोकेश राहुल से कराते हैं।

रोहित या राहुल में किसी का तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करना इस पर भी निर्भर करेगा कि शुभमन गिल फिट होते हैं या नहीं। गिल अगर मैच के लिए फिट नहीं हुए तो राहुल या रोहित में कोई इस मैच में तीसरे क्रम पर खेलेगा। भारतीय क्रिकेट जगत में हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इस दौरे पर रोहित अगर मध्यक्रम (पांचवें या छठे क्रम पर) में बल्लेबाजी करें तो यह टीम के लिए ज्यादा कारगर होगा। पर्थ में पहले टेस्ट में रोहित की अनुपस्थिति के कारण राहुल का इस्तेमाल एक अस्थायी सलामी बल्लेबाज के तौर पर हुआ था। वह हालांकि ऑप्टस स्टेडियम में दोनों पारियों में 26 और 77 रन बनाकर वह सभी भारतीय बल्लेबाजों में तकनीकी रूप से सबसे मजबूत दिखे। इस मैच से पहले उन्होंने एमसीजी में भारत ए के लिए भी एक मैच में सलामी बल्लेबाजी की भूमिका निभाई थी। पिछले पांच साल से टेस्ट में पारी का आगाज कर रहे रोहित अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं है। भारत में हाल ही खेले गए पांच टेस्ट मैचों में उनका प्रदर्शन उत्साहजनक नहीं रहा था। यह सभी मैच हालांकि बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिचों पर खेले गए थे। गिल को वाका में अभ्यास मैच के दौरान अंगुली में हेयरलाइन फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा था और वह शुरुआती टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे।

माझी ने ओडिशा विधानसभा में 12,156 करोड़ रु. का अनुपूरक बजट पेश किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12,156 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश किया।उन्होंने व्यय का अनुपूरक विवरण पेश करते हुए कहा कि इस बजट का उद्देश्य मुख्य रूप से लोक कल्याण और विकासात्मक गतिविधियों के लिए धन की जरूरत को पूरा करना है। माझी के पास वित्त विभाग भी है।उन्होंने कहा कि अनुपूरक बजट में प्रस्तावित धनराशि मौजूदा परियोजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं को पूरा करने के लिए व्यय की अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करेगी। अनुपूरक बजट में शामिल की जाने वाली कुछ नई पहल में भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन के लिए 125 करोड़ रुपए और 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' (डीएजेजीयूए) के लिए 92 करोड़ रुपए शामिल हैं।

सुविचार

आप अपने शब्दों को चाहे जितनी भी समझदारी से बोलिए लेकिन सुनने वाला अपनी योग्यता और अपने मन के विचारों के अनुसार ही उसका मतलब निकालता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तकनीक का दूसरा पहलू भी जानें

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में निर्माणाधीन रामगंगा पुल पर हुए हादसे से कई सवाल खड़े होते हैं। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं और गूगल मैप के अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। जिन युवकों ने इस हादसे में जान गंवाई, उनके बारे में कहा जा रहा है कि वे गूगल मैप का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसमें इस बात की जानकारी नहीं दी गई थी कि आगे पुल का हिस्सा क्षतिग्रस्त है। उनकी कार अपनी रफ्तार के साथ आगे बढ़ती गई और नीचे गिर गई। हादसे की असल वजह तो पूरी जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि अगर लोक निर्माण विभाग कुछ जगहों पर स्पष्ट चेतावनी लिख देता या कोई ऐसा अवरोधक लगा देता, जिससे वाहनचालक समय रहते सतर्क हो जाए तो हादसे को टाला जा सकता था। गूगल मैप, जिसे तकनीकी दृष्टि से बहुत उन्नत माना जाता है, क्या वह भी इसका अपडेट देने से चूक गया? इस हादसे ने सरकारी अधिकारियों की घोर लापरवाही का एक और नमूना पेश किया है। इसके साथ ही हम सबके लिए एक संदेश है कि तकनीक पर बहुत ज्यादा निर्भरता ठीक नहीं है। इसका इस्तेमाल एक हद तक फायदा देता है, लेकिन यहां जरा-सी त्रुटि बहुत बड़ा नुकसान करवा सकती है। बेशक गूगल मैप की वजह से लोगों को बहुत सुविधाएं हुई हैं। पहले, गंतव्य तक पहुंचने के लिए कई जगह रास्ता पूछना पड़ता था। अब हम राजस्थान की किसी ढाणी में बैठकर न्यूयॉर्क की सड़कें, गलियां देख सकते हैं। यह गूगल मैप की वजह से ही संभव हुआ है। इसका दूसरा पहलू यह है कि कोई भी तकनीक सौ फीसद सुरक्षित नहीं होती। उसमें गलतियां, खामियां मिलती हैं। जब कभी उसका इस्तेमाल करें तो इस तथ्य को ध्यान में रखें।

साल 2022 में जयपुर का एक परिवार रात को निजी वाहन से खाटू श्यामजी जा रहा था। वह गूगल मैप के सहारे आगे बढ़ रहा था। उसका वाहन आश्चर्यजनक रूप से शहर के आस-पास ही चक्कर लगाता रहा। आधी रात बीतने के बावजूद गंतव्य नहीं आया। तब उस परिवार ने एक ढाबे पर खाना खाया और वहां किसी ट्रक चालक से रास्ता पूछा। अगर उस रात गूगल मैप के भरोसे ही चलते तो सुबह तक वहीं चक्कर लगाते रहते! कोई तकनीक किस तरह काम करती है, प्राय: इस संबंध में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं होती। अगर गूगल के सन्दर्भ में देखें तो बहुत लोगों का मानना है कि जो कुछ इस पर मिल गया, वह सच है। कई लोग फर्जी खबरें शेयर करते रहते हैं। जब उनसे पूछा जाता है- 'क्या यह खबर सही है?' तो उनका जवाब होता है- 'मुझे गूगल पर मिली थी, इसलिए सही ही होगी!' इन दिनों 'गूगल सर्च' में कई लोगों के साथ धोखाधड़ी हो रही है। ऐसे बहुत मामले सामने आ चुके हैं, जब किसी कंपनी की सेवाओं के बारे में जानकारी लेने के लिए 'कस्टमर केयर' नंबर सर्च किया गया तो साइबर अपराधियों का नंबर मिला। दरअसल साइबर अपराधियों को मालूम है कि कुछ खास कीवर्ड जोड़ने से उनके द्वारा डाली गई फर्जी जानकारी सर्च में आ जाएगी। बहुत लोग उस पर विश्वास कर लेते हैं और जब दिए गए नंबर पर कॉल करते हैं तो साइबर अपराधी उनका बैंक खाता खाली कर देते हैं। किसी व्यक्ति को डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेना है, किसी को बैंक के कामकाज से जुड़ी जानकारी लेनी है, किसी ने ऑनलाइन शॉपिंग की थी, लेकिन सामान नहीं आया, किसी का पार्सल आने वाला था, जो अब तक नहीं पहुंचा ... ऐसे मामलों में लोग 'फोन नंबर' या 'कस्टमर केयर नंबर' टाइप कर सर्च करते हैं, जो बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट के जरिए संपर्क करना चाहिए। गूगल, फेसबुक, एक्स, वॉट्सऐप ... इन पर सही जानकारी के साथ आधी-अधूरी और गलत जानकारी की भी भरमार है। इसलिए 'आंखें खुली रखें' और विवेक से काम लें। तकनीक पर आंखें मूंदकर भरोसा न करें।

ट्वीटर टॉक

बीकानेर हाउस, दिल्ली में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी, माननीय केंद्रीय मंत्रियों व माननीय सांसदों के साथ आत्मीय-सकारात्मक बैठक हुई। हमने जन सरोकार, राजस्थान के विकास और विकसित भारत की संकल्पना में राज्य की भूमिका पर विमर्श किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मैं सभी माननीय सांसदों से अनुरोध करूँगा कि वे अपने क्षेत्रों में संविधान के अंगीकार होने के 75 वर्ष को जनता की सहभागिता से एक उत्सव के रूप में मनाएं, जिससे राष्ट्र प्रथम की भावना और अधिक सुदृढ़ हो।

-ओम बिरला

भारतीय सेना के वीर सपूत झुंझुनू निवासी श्री विनोद सिंह जी शेखावत का मणिपुर में देश सेवा करते हुए वीरगति को प्राप्त होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ हैं। दुःख की इस घड़ी में पूरा देश शहीद के परिजनों के साथ खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति व परिजनों को धैर्य प्रदान करें।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

कलाम का कमाल

डॉ. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, जिन्हें 'मिसाइल मैन' के नाम से जाना जाता है, न केवल एक महान वैज्ञानिक और भारत के राष्ट्रपति थे, बल्कि एक प्रेरक लेखक भी थे। वर्ष 1998 में जब डॉ. कलाम भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में कार्यरत थे, उन्होंने 'इंडिया 2020' पुस्तक पर काम शुरू किया। इस पुस्तक का उद्देश्य था भारत को 2020 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दृष्टि प्रस्तुत करना। वे अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद देर रात तक जागकर इस पुस्तक पर काम करते थे। एक बार उनके सह-लेखक यज्ञस्वामी ने उनसे पूछा कि इतनी थकावट के बावजूद वे क्यों लिख रहे हैं। इस पर डॉ. कलाम ने उत्तर दिया, 'यदि हम युवाओं को प्रेरित नहीं करेंगे, तो भारत के भविष्य का निर्माण कैसे होगा? मेरे लिए यह लेखन मेरी वैज्ञानिक उपलब्धियों जितना ही महत्वपूर्ण है।' उनकी यह मेहनत रंग लाई और 'इंडिया 2020' युवाओं और नीति-निर्माताओं के लिए एक प्रेरक मार्गदर्शिका बन गई। यह किताब न केवल भारत के विकास की राह दिखाती है, बल्कि डॉ. कलाम के सपनों और उनके समर्पण को भी दर्शाती है।

सामयिक

सद्भाव और भरोसे को तोड़ने वाला है संभल का उपद्रव

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

उत्तरप्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान जिस तरह उपद्रवियों ने उत्पात मचाया वह चिंता जनक संकेत है। पता रहे कि संभल की जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश स्थानीय अदालत ने दिया था। अदालत के आदेश पर रविवार को जामा मस्जिद में सर्वे शुरू होते ही लोग उग्र हो उठे। मस्जिद के बाहर भीड़ ने जमकर पथराव किया व पुलिसकर्मियों के वाहन जला दिए।उपद्रवियों को नियंत्रित करने को पुलिस को गोलियां चलानी पड़ी। आमने-सामने की फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई।कौन लोग हैं जो अदालत के आदेश पर

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद की सर्वे के दौरान हुई हिंसा में अबतक चार लोगों की मौत हो चुकी है। तीन मौत रविवार को हुई थी, जिनको रातोंरात पोस्टमार्टम के बाद दफना दिया गया। वहीं एक मौत सोमवार की सुबह हुई है. हिंसा मामले में चार एफआईआर दर्ज की गई है। हिंसा के दोषियों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। इलाके में हिंसा का असर भी देखने को मिल रहा है. शहर में एक-दो दुकाने ही बस खुली हुई हैं। एहतियात के तौर पर जिले में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई है।

अमल करने में बाधा उत्पन्न करना अपना अधिकार समझते हैं और सीधे पुलिस से टकराने के लिए पत्थरबाजी गोलीबारी आगजनी की तैयारी रखते हैं। संभल में पुलिस पर बरसाए गए सात ट्राली ईंट के टुकड़े चीख चीख कर कह रहे हैं कि देश के भीतर साजिश और तैयारी जारी है। आखिर ये सात ट्राली ईंट के टुकड़े करीब सात हज़ार पांच सौ ईंट कहाँ और क्यों जमा कर रखीं गयीं थीं?

रिपोर्टर्स के अनुसार पथराव में एसडीएम, सीओ, एसपी के पीआरओ समेत 30 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हैं। डेढ़ दर्जन उपद्रवियों को हिरासत में लिया है। संभल बाजार बंद है व अफवाहें रोकने के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। कमिश्नर व डीआइजी संभल में ही कैंप किए हुए हैं। कमिश्नर अनुसार नखासा क्षेत्र में भी पथराव हुआ। वहां से महिलाओं व कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु जैन ने 19 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में पेश किया था। अदालत ने सर्वे कराने का आदेश दिया था। उस दिन वीडियोग्राफी के बाद टीम चली गई थी। दूसरे चरण का सर्वे करने रविवार सुबह सात बजे एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव एवं अधिवक्ता विष्णु जैन व अन्य मस्जिद में पहुंचे। क्षेत्र की नाकेबंदी कर एडवोकेट कमिश्नर डीएम और एसपी की मौजूदगी में मस्जिद की वीडियोग्राफी करा ही रहे थे कि बाहर भीड़ जुटने लगी। कुछ लोगों ने मस्जिद में घुसने का प्रयास किया।

पुलिस के रोकने पर हालात बेकाबू हो गए। साढ़े आठ बजे भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। पुलिस बल प्रयोग कर खदेड़ने लगी तो फायरिंग कर दी। उपद्रवियों ने धार्मिक नारे लगाकर एक एसएचओ की कार व दो एसएचओ की मोटरसाइकिल समेत कई वाहन जला दिए। वहीं डीएम ने जिले में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके बाद पुलिस फोर्स और भीड़ आमने-सामने आ गई। रबर बुलेट, आंसू गैस के गोले छोड़ने पर भी हालात काबू में नहीं आए तब पुलिस ने भी फायरिंग की। उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार अनुसार पुलिस पत्थरबाजी करने वालों की पहचान कर रही है। आरोपितों की पहचान के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी स्थिति नियंत्रण में है।

संभल हिंसा मामले में डीएम राजेंद्र पेंसिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जामा मस्जिद के सदर जफर अली का भ्रामक बयान आया. इसलिए हमें पीसी करनी पड़ी. उनके बयानों की डिटेलिंग हो रही है। एसपी बिश्नोई ने कहा कि जफर अली को ना हिरासत में लिया गया. ना ही अरेस्ट किया गया है. केवल जो वार्ता उन्होंने की उसके बारे में बातें की गई। मामले में लगातार अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने के बयान सामने आ रहे हैं. अब जामा मस्जिद सदर के वकील जफर अहमद ने कहा कि पुलिस ने गाड़ियां जलाईं थीं। एसडीएम ने जबरदस्ती हौद का पानी खुलवाया. जफर ने कहा कि, लोग समझे मंदिर में खुदाई हो रही है. इतना ही नहीं बल्कि जफर अहमद ने उपद्रव में मारे गए युवकों को शहीद तक कह डाला. साथ ही परिजनों के लिए मुआवजे की मांग की है. उनका आरोप है कि पूरा घटनाक्रम पुलिस प्रशासन का प्रायोजित प्रोग्राम था। संभल में मस्जिद के बाहर हुई हिंसा के मामले में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत समाजवादी पार्टी के सांसदों ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की है. जिसमें उन्होंने मामले की जांच की बात की है।

उत्तरप्रदेश पुलिस ताबड़तोड़ एक्शन करती नजर आ रही है। जफर अली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संभल डीएम को रविवार को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया था. जफर अली को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। संभल जिले में हुई हिंसा के बाद से पुलिस ने अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया है और 2500 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ड्रोन के फुटेज से उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। इस बीच सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में हिंसा जानबूझकर भड़काई गई है. वहीं सपा के सांसद पर भी एफआईआर दर्ज की गई है। संभल के विधायक के बेटे पर भी दंगा भड़काने का आरोप लगा है।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद की सर्वे के दौरान हुई हिंसा में अबतक चार लोगों की मौत हो चुकी है। तीन मौत रविवार को हुई थी, जिनको रातोंरात पोस्टमार्टम के बाद दफना दिया गया। वहीं एक मौत सोमवार की सुबह हुई है. हिंसा मामले में चार एफआईआर दर्ज की गई है। हिंसा के दोषियों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। इलाके में हिंसा का असर भी देखने को मिल रहा है. शहर में एक-दो दुकाने ही बस खुली हुई हैं। एहतियात के तौर पर जिले में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई है। संभल जिले में भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। संभल के आसपास के जिलों में भी सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। बीते रविवार को मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नईम और बिलाल के रूप में की गई है। बरेली, अमरोहा, रामपुर और मुरादाबाद में भी पुलिस की तैनाती की गई है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य विपक्षी दल उत्पन्न हुई स्थिति के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। मुस्लिम धर्म गुरू और नेता भी प्रदेश की सरकार पर ही निशाना साध रहे हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को पता है कि पुलिस या प्रशासन जो कुछ कर रहा है वह न्यायालय के आदेश पर कर रहा है। इसका प्रदेश की सरकार का प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना देना नहीं है। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के कारण उपद्रवियों को अप्रत्यक्ष समर्थन दिया जा रहा है। आपको बता दें कि अदालत के आदेश को अदालत में ही चुनौती दी जानी चाहिए। सड़कों पर उतरना और पत्थरबाजी करना, पुलिस से दो-दो हाथ करना गलत है। जिन परिवारों के बच्चे नेताओं द्वारा भावनाएं भड़काए जाने के कारण अपना जीवन खो बैठे उन परिवारों की स्थिति का शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

देश संविधान द्वारा स्थापित कानून व्यवस्था के अन्तर्गत चल रहा है। यह बात सभी नेताओं सहित आम जन को समझनी होगी। अगर किसी को लगता है कि कुछ गलत है तो उसे न्यायालय में चुनौती देनी चाहिए न कि बवाल करना चाहिए। कानून को अपने हाथ लेने की प्रवृत्ति को रोकने का काम समाज व सरकार दोनों को मिलकर करना चाहिए। बवाल करना देशहित में नहीं।सबका साथ सबका विकास के थीम पर चलने वाली केंद्र व राज्य सरकार को भी अल्पसंख्यकों को भरोसा और विश्वास बनाए रखना भी जरूरी है। कहीं न कहीं प्रशासन की चूक रही कि उस ने एक संवेदनशील कार्रवाई से पहले पर्याप्त एहतियाती इंतजाम नहीं किए। मुस्लिम समुदाय के लोगों को आजादी के बाद से लगातार हमारे कुछ राजनीतिक रोटियां सेकने वाले दलों ने एक अविश्वास और असुरक्षा की भावना को विकसित कर उन्हें वोट बैंक के लिए तैयार किया है यही असुरक्षा की भावना उनके दिलों दिमाग पर हावी कर उन्हें सीधे पुलिस से टकराने के लिए भड़काने का काम किया जाता है। यदि सरकार पहले से एहतियात बरतती तो संभल में टकराव की स्थिति नहीं बनती।

सवाल उठता है क्या प्रशासन को सर्वे से पहले मस्जिद पक्ष को विश्वास में नही लेना चाहिए था? क्या कुछ लोग दंगा कर सरकार को मुस्लिम विरोधी बताने की साजिश रच रहे थे? कुछ राजनीतिक दल रोटियां सेकने के इच्छुक हैं? इन सब सवालों का जवाब जांच का विषय है।

नजरिया

आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी वस्त्रों में नवाचार

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भा

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

उच्च प्रदर्शन सामग्री के रूप में तकनीकी वस्त्र आयात पर निर्भरता को कम करके और स्वदेशी क्षमताओं को बढ़ावा देकर रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक हैं। तकनीकी वस्त्र, जैसे कि जियोटेक्सटाइल, बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की स्थायित्व और दक्षता को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं, खासकर प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त क्षेत्रों में। तकनीकी वस्त्र क्षेत्र एक नए युग का वस्त्र है, जिसका उपयोग अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में होता है। तकनीकी वस्त्र एक ऐसा कपड़ा उत्पाद होता है, जो गैर-सौंदर्य प्रयोजनों के लिए निर्मित होता है, जहाँ कार्य प्राथमिक मानदंड होता है।

तकनीकी वस्त्रों में ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए वस्त्र, चिकित्सा वस्त्र, भू-वस्त्र, कृषि-वस्त्र और सुरक्षात्मक कपड़े शामिल हैं। सरकार ने तकनीकी वस्त्रों और उनके अनुप्रयोगों में अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन भी शुरू किया है। पूर्वोत्तर भारत में बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में सड़कों को स्थिर करने के लिए जियोटेक्सटाइल का उपयोग किया जाता है, जिससे विदेशी समाधानों पर निर्भरता कम होती है। रक्षा और एयरोस्पेस के लिए उन्नत वस्त्र यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत अपनी रणनीतिक आवश्यकताओं को स्वतंत्र रूप से पूरा करे। डीआरडीओ द्वारा सैन्य उपयोग के लिए स्वदेशी अरामिड-आधारित सुरक्षात्मक गियर विकसित किया गया था, जिससे महंगे आयात पर निर्भरता कम हुई। सर्जिकल मास्क, पीपीई और बायोडिग्रेडेबल मेडिकल फैब्रिक जैसे मेडिकल टेक्सटाइल स्वास्थ्य सेवा में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हैं, जो आपातकालीन प्रतिक्रियाओं के लिए महत्त्वपूर्ण है। महामारी के दौरान, भारत ने पीपीई किट के घरेलू उत्पादन को बढ़ाया और कुछ ही महीनों में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली। एग्रोटेक फैब्रिक्स जैसे तकनीकी वस्त्र कृषि उत्पादकता में सुधार करते हैं, ग्रामीण विकास का समर्थन करते हैं और आयातित कृषि-समाधानों पर निर्भरता कम करते हैं। पॉलीहाउस कवर और फ़सल सुरक्षा जाल साल भर खेती के लिए नियंत्रित वातावरण बनाकर पैदावार बढ़ाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी वस्त्र इकाइयाँ स्थापित करने से रोजगार सर्जन को बढ़ावा मिल सकता है, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ने में मदद मिल सकती है और स्थायी आजीविका का समर्थन हो सकता है। ग्रामीण महाराष्ट्र में तकनीकी वस्त्र निर्माण के विकास ने स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान किया है। चूंकि तकनीकी वस्त्र आयात-निर्भर संसाधनों की आवश्यकता को कम करते हैं, इसलिए वे भारत की अर्थव्यवस्था को जलवायु-संचालित वैश्विक आपूर्ति झटकों के प्रति कम संवेदनशील बनाते हैं।

बायोडिग्रेडेबल टेक्सटाइल सामग्री का स्वदेशी उत्पादन पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है और आयात निर्भरता को कम करता है। स्मार्ट, टिकाऊ और मिश्रित वस्त्रों में अनुसंधान के लिए मिशन का वित्तपोषण ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देता है जो घरेलू स्तर पर क्षेत्र-विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। नमी सोखने वाले कपड़ों पर आईआईटी दिल्ली में शोध रक्षा कर्मियों के लिए सुरक्षात्मक गियर को बढ़ाता है। मिशन अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के बीच साझेदारी की सुविधा प्रदान करता है, जिससे नई तकनीकों के तेजी से व्यावसायीकरण को बढ़ावा मिलता है। उन्नत चिकित्सा वस्त्रों के उत्पादन के लिए एसएमई को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण ने घरेलू आपूर्ति शृंखला को मज़बूत किया है। मानकों और गुणवत्ता में सुधार करके, मिशन वैश्विक बाजारों में उच्च मूल्य वाले तकनीकी वस्त्रों का निर्यात करने की भारत की क्षमता को बढ़ाता है, जिससे आर्थिक विकास को समर्थन मिलता है। मिशन द्वारा समर्थित गुणवत्ता प्रमाणन के कारण यूरोप को भारत के तकनीकी वस्त्रों के निर्यात में वृद्धि हुई है। समर्पित परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना वैश्विक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करती है, जिससे उत्पाद की विश्वसनीयता में सुधार होता है।

दिल्ली में राष्ट्रीय वस्त्र परीक्षण प्रयोगशालाएँ यूरोपीय मानकों को पूरा करने वाले प्रमाणपत्र प्रदान करती हैं, जिससे निर्यात क्षमता में वृद्धि होती है। नए आईपीआर दिशानिर्देश स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और संरक्षण को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे भारत के तकनीकी वस्त्र क्षेत्र के बौद्धिक संपदा आधार को मजबूती मिलती है। स्मार्ट टेक्सटाइल के लिए आईआईटी मद्रास जैसे संस्थानों द्वारा दायर आईपीआर पेटेंट यह सुनिश्चित करते हैं कि मालिकाना तकनीक भारत के भीतर ही रहे।

मिशन के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्नत वस्त्र निर्माण के लिए तकनीकी कौशल को बढ़ाते हैं, उत्पादकता और नवाचार को बढ़ाते हैं। कपड़ा क्षेत्र कौशल परिषद के साथ सहयोग ने तकनीकी वस्त्र उद्योग में हजारों लोगों को प्रशिक्षित किया है। राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक नवाचार को बढ़ावा देता है, जिससे आयात निर्भरता के खिलाफ भारत की लचीलापन बढ़ता है। मिशन के तहत अनुसंधान एवं विकास तथा कौशल निर्माण में निरंतर निवेश से उच्च प्रदर्शन वाले वस्त्रों में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और मज़बूत होगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हिंदू नेता को जमानत देने से बांग्लादेश की अदालत का इनकार

ढाका/भाषा

बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को प्रमुख हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया जिन्हें राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है।

ढाका और चटगांव समेत अनेक स्थानों पर हिंदू समुदाय के सदस्यों के विरोध प्रदर्शनों के बीच ब्रह्मचारी को जेल भेज दिया गया।

बांग्लादेश पुलिस ने हिंदू संगठन 'सम्मिलित सनातनी जोत' के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका में हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से सोमवार को गिरफ्तार किया था, जब वह चटगांव जा रहे थे। उन्हें चटगांव लाया गया। अधिकारियों ने कहा कि दास को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत ले जाया गया, जहां वकीलों सहित उनके कई समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में नारे लगा रहे थे। चश्मदीदों के अनुसार अदालत परिसर में जमा समर्थकों का दास ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। दास के समर्थक नारे लगा रहे थे। दास ने उनसे धार्मिक नारे नहीं लगाने की अपील की। दास के वकीलों ने सुनवाई के दौरान चटगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम से अनुरोध किया कि उनके लिए भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाएं।

न्यायाधीश ने कहा, मैं उनके प्रति आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। इसके बाद इस्लाम ने कुछ देर के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। कार्यवाही फिर शुरू होने पर उन्होंने वकीलों से जमानत अर्जी पेश करने को कहा। इस दौरान दास ने एक बयान भी दिया।

दलीलें समाप्त होने के बाद इस्लाम ने दास की जमानत याचिका खारिज कर दी।

न्यायाधीश ने कहा कि चूंकि दास को शहर के बाहर से गिरफ्तार किया गया है, तो कानून के अनुसार उन्हें 24 घंटे न्यायिक हिरासत में रखा जाना आवश्यक है। इसके बाद अदालत ने दास को जेल ले जाने का आदेश दिया और जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि हिंदू धर्मगुरु को जेल संहिता के अनुसार उनके धार्मिक रीतिरिवाज का अनुसरण करने की अनुमति दी जाए।

'द डेली स्टार' अखबार के अनुसार दोपहर के आसपास अदालत के आदेश के तत्काल बाद दास के अनुयायियों ने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। उन्होंने दास को लेकर जा रहे कैदी वाहन को रोका। प्रदर्शनकारी उनकी रिहाई की मांग करते हुए नारे लगा रहे थे।

अखबार की खबर के अनुसार पुलिस और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के सदस्यों ने गाड़ी का मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर आवाज करने वाले गोले बरसाए और लाठियां भांजीं। वाहन अंतत: अपराह्न तीन बजे के आसपास अदालत परिसर से बाहर जा सका।

दास ने वाहन के अंदर से अपने समर्थकों से शांति बरतने की अपील की।

विरोध

बांग्लादेशी हिंदुओं ने चटगांव कोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, क्योंकि इस्कॉन के वरिष्ठ भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को मंगलवार को राजद्रोह के मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश पुलिस द्वारा पेश किया गया।

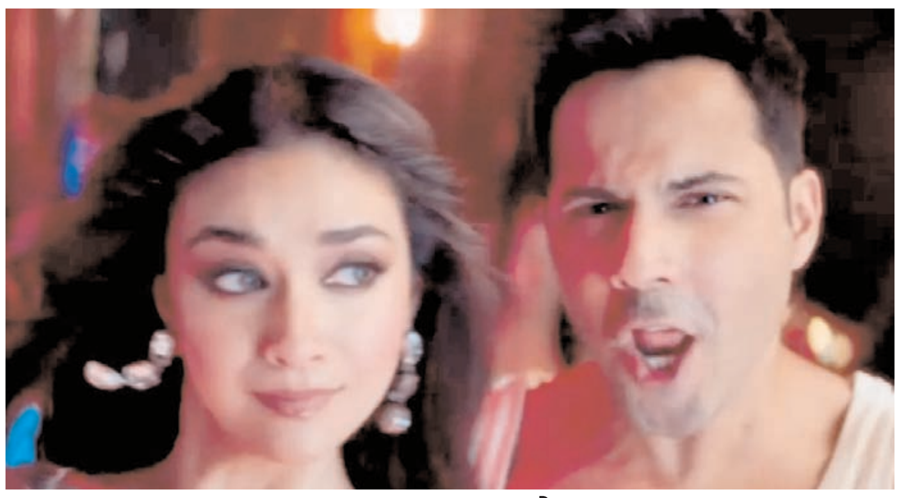

फिल्म 'बेबी जॉन' का गाना 'नैन मटक्का' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के चॉकलेटी हीरो वरुण धवन की आने वाली फिल्म 'बेबी जॉन' का गाना 'नैन मटक्का' रिलीज हो गया है। नैन मटक्का गाने को सुप्रसिद्ध पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने गाया है। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस ट्रैक को साझा किया।

, उन्होंने गाने का वीडियो साझा करते हुये लिखा, एक वाइब बहुत अच्छा, यह आपको डांस करने पर मजबूर कर देगा, बेबी!यह ट्रैक वरुण और कीर्ति सुरेश के बीच शानदार केमिस्ट्री और दिलजीत और धीक्षिता वेंकदेशन उर्फ ड्ढ्ढधी की मजेदार आवाज का परफेक्ट मिश्रण है। हाल ही में 'बेबी जॉन' के निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज़ किया था। टीजर में वरुण धवन एक पुलिस अधिकारी और एकल पिता की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। वह एक ऐसे चरित्र को चित्रित करते हैं जो विरोधियों का डटकर मुकाबला करने से नहीं डरता। एक दृश्य में, वह घोषणा करते हैं, मेरे जैसे बोहत आये होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं।टीज़र में कीर्ति सुरेश को मुख्य महिला के रूप में पेश किया गया है और अभिनेता जैकी श्रॉफ को प्रतिपक्षी के रूप में एक संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली भूमिका में दिखाया गया है। वामीका गब्बी और राजपाल यादव जैसे प्रतिष्ठित कलाकार भी फिल्म बेबी जॉन के मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं।मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित और कलीज निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

अजमल कसाब को मारना चाहती थी, उसने मुझे बेहद दर्द दिया है : मुंबई आतंकी हमले की पीड़िता

मुंबई/भाषा। मुंबई में वर्ष 2008 में हुए आतंकी हमले की पीड़िता और मामले की सुनवाई के दौरान आतंकी अजमल कसाब की पहचान करने वाली मुख्य गवाह देविका रोटवान आज भी उस रात को भूल नहीं पाई हैं, जिसने उनकी पूरी जिंदगी बदल कर रख दी।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) पर 26 नवंबर 2008 को नौ वर्षीय देविका पुलिस और आतंकियों के बीच हुई गोलीबारी का शिकार हो गई थी। देविका के पैर में लगी गोली आज भी उसे परेशान करती है, खासकर सर्दियों के महीनों में दर्द और बढ़ जाता है।

देविका (25) ने मुंबई में 26 नवंबर को हुए इस हमले की 17वीं बरसी की पूर्व संध्या पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह उस रात को कभी नहीं भूल पाएंगी।उन्होंने कहा, 16 साल हो गए लेकिन मुझे अभी भी याद है कि मैं क्या कर रही थी, कहां जा रही थी और हमला कैसे हुआ।

देविका ने उस रात को याद करते हुए कहा कि 26 नवंबर 2008 की रात को वह, उनके पिता और उनका भाई पुणे में अपने बड़े भाई से मिलने जा रहे थे।उन्होंने कहा, हम बांद्रा से सीएसएमटी पहुंचे ही थे कि एक बम विस्फोट हुआ और उसके बाद गोलियों की बौछार शुरू हो गई। सभी उम्र के लोग बुरी तरह घायल हो गए।

देविका उन लोगों में से एक थीं, जिन्हें सेंट जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया था।

लोगों को लगी चोट और अव्यवस्था देखकर देविका स्तब्ध रह गईं। बाद में उन्हें जेजे अस्पताल ले जाया गया, जहां गोली निकालने के लिए उनकी सर्जरी की गई।उन्होंने कहा, मैं कुछ देर के लिए बेहोश हो गई थी।

देविका ने बताया कि उन्हें ठीक होने में एक महीने से अधिक समय लगा और छुट्टी मिलने के बाद वह अपने पैतृक राज्य राजस्थान लौट गईं लेकिन उस रात का सदमा उनके मन में आज भी बना हुआ है।

जब मुंबई अपराध शाखा ने उसके परिवार से संपर्क किया और पूछा कि क्या वह अदालत में गवाही देने के लिए तैयार है तो परिवार ने तुरंत सहमति दे दी। देविका ने कहा, हम गवाही देने के लिए तैयार हो गए क्योंकि मैंने और मेरे पिता दोनों ने आतंकवादियों को देखा था। और मैं अजमल कसाब को पहचान सकती थी, जिसने मुझे इतना दर्द दिया।

कसाब के मुकदमे में देविका की गवाही महत्वपूर्ण थी। कसाब को बाद में हमलों में उसकी भूमिका के लिए दोषी ठहराया गया था। देविका ने उस रात को याद करते हुए कहा, मैं उसे मारना चाहती थी लेकिन तब मैं सिर्फ नौ वर्ष की थी। मैं अदालत में उसे पहचानने के अलावा कुछ नहीं कर सकती थी।

'अदाणी पर लगे आरोप ट्रंप के राष्ट्रपति बनने पर यदि दोषपूर्ण पाए गए, तो वापस लिए जा सकते हैं'

न्यूयॉर्क/भाषा

जाने माने भारतीय-अमेरिकी वकील रवि बत्रा ने कहा है कि अरबपति गौतम अदाणी पर लगे आरोपों को डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद यदि ''बेबुनियाद या दोषपूर्ण'' पाया जाता है तो भारतीय कारोबारी के खिलाफ 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिश्वत मामले को वापस लिए जाने की संभावना बरकरार है।

अटॉर्नी रवि बत्रा ने 'पीटीआई' से कहा कि हर नए राष्ट्रपति के पास एक नई टीम होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर ''किसी भी ऐसे अभियोजन को निष्प्रभावी कर देंगे जो सद्भावना के विपरीत 'विरोधी को निशाना बनाने के लिए कानून का सहारा लेने' पर आधारित है।

बत्रा ने कहा, कानून का अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए चुनिंदा रूप से इस्तेमाल करना हमारे संघीय संविधान द्वारा दी गई 'कानून के समान संरक्षण' की गारंटी के लक्ष्य को स्वाभाविक रूप से नकारता है।उन्होंने कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे गौतम अदाणी अपनी सरकार के साथ उठा सकते हैं और उससे अनुरोध कर सकते हैं कि वह इसे आगामी ट्रंप प्रशासन के साथ द्विपक्षीय रूप से उठाएं। ट्रंप 20 जनवरी, 2025 को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। बत्रा ने कहा, यदि आपराधिक या दीवानी आरोपों को बेबुनियाद या दोषपूर्ण माना जाता है तो राष्ट्रपति ट्रंप का नया न्याय मंत्रालय और एसईसी (प्रतिभूति और विनिमय आयोग) आपराधिक और दीवानी मामलों को वापस ले सकते हैं।उन्होंने साथ ही कहा कि अदाणी के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप अमेरिकी कानूनों के देश के बाहर लागू होने का मुद्दा भी उठाता है, क्योंकि भारतीय उद्योगपति और मामले के अन्य आरोपी यहां नहीं रहते हैं। अमेरिकी प्राधिकारियों ने गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी सहित सात अन्य लोगों पर 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया है।

'कंगुवा' में सूर्या के साथ मगरमच्छ की लड़ाई का सीन बना सबसे रोमांचक पल

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के स्टार अभिनेता सूर्या की फिल्म कंगुवा में उनकी मगरमच्छ के साथ लड़ने वाला सीन सबसे रोमांचक पल साबित हुआ है। सूर्या के साथ मगरमच्छ की लड़ाई के सीन को फिल्माना टीम के लिए एक बड़ा चुनौतीपूर्ण काम रहा है।स्टूडियो ग्रीन की कंगुवा एक अनोखी फिल्म है जो दर्शकों को इस साल देखने को मिली।कंगुवा में मगरमच्छ से लड़ा गया सीन वाकई एक प्रमुख आकर्षण था, जिसमें सूर्या के एक्शन ने दर्शकों को रोमांचित किया।

हालांकि, यह सीन स्क्रीन पर जितना आसान दिखता है, उतना था नहीं, बल्कि इसके लिए कड़ी मेहनत की गई। इस एक्शन सीक्वेंस को जितना शानदार और रोमांचक बनाया गया, उसके पीछे टेक्नीशियनों, क्रू, डिज़ाइनरों और अन्य सदस्यों की मेहनत थी। निर्देशक शिवा का विज़न था कि वह 1,000 साल पुरानी दुनिया की कच्ची और असली भावना को पर्दे पर उतारें। उन्होंने एक जंगली आदमी और जंगली जानवर के बीच की लड़ाई को ध्यान से डिज़ाइन किया है, जिससे एक बेहद इंटेंस और रीयल नजारा देखने मिला।

इस एक्शन सीक्वेंस ने फिल्म में एक नया और दमदार सीक्वेंस पेश किया है। प्रोडक्शन डिज़ाइनर मिलन ने जंगल के आसपास के माहौल को बखूबी रीक्रिएट किया है, और बड़े मगरमच्छ को भी बहुत प्रभावशाली ढंग से तैयार किया। हर डिटेल में टीम की मेहनत साफ दिखाई देती है और यह सीक्वेंस फिल्म का एक खास पल बन गया है।

शिवकार्तिकेयन ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए यश की तारीफ की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए यश की तारीफ की है। शिवकार्तिकेयन ने हाल ही में गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में अपनी खास मौजूदगी दर्ज कराई। इस दौरान वह फ्रॉम स्मॉल स्क्रीन टू बिग ड्रीम्स नाम के मास्टरक्लास में बतौर अतिथि शामिल हुए।सेशन के दौरान, शिवकार्तिकेयन ने अपने साथी अभिनेता और केजीएफ स्टार यश की तारीफ की और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में यश के शानदार योगदान के लिए अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया। शिवकार्तिकेयन, जिनका करियर भी टेलीविजन से शुरू हुआ था, ने कहा कि वह यश की यात्रा से गहरा कनेक्शन महसूस करते हैं, क्योंकि दोनों अभिनेता छोटे पर्दे से शुरुआत करके भारतीय सिनेमा में बड़ी सफलता हासिल करने में कामयाब हुए हैं। सेशन के दौरान शिवकार्तिकेयन ने कहा, मुझे सभी का काम पसंद है। जब भी कोई अच्छी फिल्म आती है, मैं उसे देखता हूं और उनके काम का सम्मान करता हूं। लेकिन, यश ने कन्नड़ फिल्म उद्योग के लिए जो किया वह शानदार है। जब केजीएफ 1 आया तो यह कन्नड़ इंडस्ट्री की सफलता थी, लेकिन जब केजीफ 2 आया, तो यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सफलता थी।यश ने जो कुछ भी किया, वह सचमुच काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने न सिर्फ खुद को ऊपर उठाया है, बल्कि अपने इंडस्ट्री को भी एक नई दिशा दी ।

संगीत

जमशेदपुर में जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में गायक विशाल ददलानी और शेखर रवजियानी के लाइव कॉन्सर्ट में छात्र संगीत पर थिरकते हुए।

श्रीलीला ने पुष्पा 2: द रूल के 'किसिक' गाने से मचाई धूम

मुंबई/एजेन्सी

भारत की नई डांसिंग क्वीन श्रीलीला ने पुष्पा 2: द रूल के 'किसिक' गाने से धूम मचा दी है। मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2: द रूल रिलीज डेट के करीब आते ही एक्साइटमेंट के लेवल को यह और भी बढ़ाती जा रही है। पटना में एक ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मेकर्स ने एक धमाकेदार ट्रेलर रिलीज किया, जिसने फिल्म देखने को लेकर पूरे देश में मौजूद दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर दी है। दर्शकों के जोश और बेसब्री के बीच मच अवेटेड गाना किसिक, आखिरकार रिलीज़ हो गया है। नेशनल अवॉर्ड विनर अल्लू अर्जुन और श्रीलीला की जोड़ी ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से स्टेज पर तहलका मचा दिया है। गाने में श्रीलीला ने अपने स्टनिंग चार्म, बोल्ड एनर्जी और खूबसूरत लेकिन दमदार डांस मूव्स से सबको इंप्रेस किया है। वहीं, आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन एक बार फिर पुष्पराज के रूप में अपनी जबरदस्त एनर्जी, स्टाइल और दमदार डांस मूव्स के साथ लौटे हैं, जो पूरी तरह से फायर है! ज5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पुष्पा 2: द रूल का निर्देशन मशहूर सुकुमार ने किया है और इसका निर्माण मइथ्री मूवी मेकर्स ने सुकुमार राइटिंग्स के साथ मिलकर किया है। फिल्म का म्यूजिक टी-सीरीज ने दिया है।

सुपरवुमन और पूरी तरह से नकारात्मक भूमिका निभाना चाहती है कृति सेनन

पणजी/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन का कहना है कि उनकी दिलचस्पी अब सुपरवुमन और पूरी तरह से नकारात्मक भूमिका निभाने में है। 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के कला अकादमी में 'सशक्तीकरण परिवर्तन: सिनेमा में अग्रणी महिलायें' विषय पर बातचीत की। कृति सेनन ने कहा कि जब आप फिल्म निर्माण और अभिनय के क्षेत्र में कदम रखते हैं, तो स्वभाव से ही अनिश्चित होते हैं। ऐसे में फिल्म निर्माताओं के लिये बेहतर है कि वे बैक-अप करियर विकल्प तैयार रखें। कृति सेनन ने कहा कि उनकी फिल्म 'मिमी' उनके अभिनय करियर में अब तक का सबसे साहसिक विकल्प था। उन्होंने कहा कि यह जोखिम तब अच्छा लगा, जब उन्होंने इस फिल्म के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (महिला) का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

कृति सेनन ने बताया कि मुझे कई लोगों ने इस फिल्म (मिमी) को न चुनने की सलाह दी थी। उन्हें डर था कि इससे मुझे एक ऐसे अभिनेत्री का लेबल दिया जायेगा, जो आर्ट हाउस फिल्म को पसंद करती है और इससे मेरे पास आने वाले दूसरे प्रोजेक्ट प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा, फिर भी मैंने इस फिल्म को मैंने चुना, क्योंकि इसकी स्क्रिप्ट ने मेरे दिल को छू लिया। सुश्री सेनन ने कहा कि प्रोजेक्ट चुनते समय यह कारक सबसे अधिक मायने रखता है। उन्होंने भविष्य में सुपरवुमन का किरदार निभाने और कोई भी नकारात्मक भूमिका निभाने की इच्छा भी व्यक्त की। कृति ने कहा कि वह फिल्म 'दो पत्ती' में अपनी भूमिका को बहुस्तरीय तथा सूक्ष्म मानती हैं और उन्होंने घरेलू हिंसा के विषय को भी कुछ ऐसा बताया, जो उनके दिल को छू जाता है। फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुये कृति ने बताया कि एक बिल्कुल सीधे चेहरे वाली रोबोट की भूमिका निभाना कितना मुश्किल था और उस भूमिका को कितनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

हाल की फिल्मों में महिलाओं द्वारा निभाई जा रही नकारात्मक भूमिकाओं एवं किरदारों के बारे में टिप्पणी करते हुये कृति सेनन ने कहा कि दर्शक नकारात्मक किरदारों को पसंद करते हैं, और उनसे अच्छी तरह जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल 'पुरुषों की नजर' में बदलाव आ रहा है तथा 'परिपूर्ण' लड़की या महिला की मांग कम हो गयी है। कृति ने ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से फिल्म उद्योग में प्रवेश करने वाली नई महिला लेखकों की बहुत प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म सैकड़ों देशों में महिला फिल्म निर्माताओं को बेहतर मंच प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ना चाहिये और स्वयं पर मेहनत करनी चाहिये, उन्हें अपना सौ प्रतिशत देना चाहिये, जिज्ञासु बने रहना चाहिये और प्रश्न पूछना चाहिये।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोमवार को शाम फोर्ट सेंट जॉर्ज के लायंस क्लब द्वारा टी. नगर में मोबाइल सोशल नेटवर्क में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दुरुपयोग पर माता-पिता के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। टैलेंट एंगेजमेंट की निदेशक और वेलई वझिकट्टी एनजीओ से जुड़ी सामाजिक मनोचिकित्सक सुश्री प्रभा राजन ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सुश्री प्रभा राजन ने माता-पिता और परिवार के बुजुर्गों को बच्चों द्वारा मोबाइल सोशल मीडिया के उपयोग पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नवीनतम तकनीक के साथ झूठी और भ्रामक चैटिंग, गेम लत के लिए बनाए जाते हैं, जिससे पढ़ाई में रुचि कम होती है, बुरी आदतें पड़ती हैं और कई बार आर्थिक नुकसान भी होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों की रुचि का पता लगाना चाहिए और उन्हें खेल, पेंटिंग कला आदि में प्रोत्साहित करना चाहिए, इसके अलावा नियमित रूप से उनके साथ समय बिताना चाहिए, ताकि उनकी सोशल नेटवर्क की लत को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि कई सोशल नेटवर्क काल्पनिक नामों और बैनरों के साथ प्रसारित हो रहे हैं, नई एआई तकनीक के साथ सावधानी बरतनी चाहिए।

जोन चेयरपर्सन लायन भावना त्रिवेदी ने कहा कि अधिकतर लड़के-लड़कियां झूठे सोशल नेटवर्क में आसानी से फंस जाते हैं और भविष्य में सभी के लिए यह चेतावनी है। अध्यक्ष लायन मनीष वोरा ने सदस्यों और अभिभावकों का स्वागत किया। सचिव लायन उषा बोहरा ने सुश्री प्रभा राजन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

संविधान दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। नवंबर 26 को देश में संविधान अमल किया गया। संविधान लागू होने के उपलक्ष में जिला कांग्रेस मुख्यालय कामराज भवन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मयूरा जयकुमार के नेतृत्व में संविधान को सुरक्षित मानकर सामूहिक शपथ लिया गया। इस समारोह में जिला कांग्रेस अध्यक्ष वकील करप्पुस्वामी, वीनस मणि, पार्षद सरला वसंत आदि ने अगुवाई की। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शपथ लेने पहुंचे। कई कार्यकर्ताओं ने संविधान के शपथ पत्र का प्लेकार्ड हाथ में रखा हुआ था।

विजनरी स्माइल्ज योजना के तहत नेत्र शिविर में 774 छात्रों की हुई जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आवडी स्थित एनजीओ रिटेन स्माइलज़ ने लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के सहयोग से रेडहिल्स के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया। शिविर में 774 छात्रों की दृष्टि संबंधी समस्याओं की जांच की गई।163 बच्चों की आंखें कमजोर पाई जाने के कारण उनको चश्मे वितरित किए गए।

लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के अध्यक्ष लॉयन के.राहुल बोहरा ने विजनरी स्माइल्ज योजना के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा रिटेन स्माइल्स की प्रमुख परियोजना का उद्देश्य दृष्टि संबंधी समस्याओं के लिए एक मिलियन छात्रों की जांच करना है, जिससे उनके लिए सुधारात्मक उपाय प्रदान किए जा सके। यह पहल वंचित समुदायों के लिए नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता और गुणवत्तापूर्ण दृष्टि देखभाल को बढ़ावा देती है।

शिविर में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लॉयन एटी रविचंद्रन, रिटेन स्माइल्स की ट्रस्टी रिद्धि बोहरा, लॉयंस क्लब ऑफ आवडी के कोषाध्यक्ष एलंगोवन, अन्ना दुरई, डॉ.टी. संध्या सहित कई गणमान्य मौजूद थे।

पांच सौ जरुरतमंदों को दान किए गए कृत्रिम अंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु राउंड टेबल7 और बेंगलूरु लेडीज सर्कल 19 ने 46वें वार्षिक अंग दान अभियान के तहत जैन अस्पताल में जरुरतमंदों को 500 कृत्रिम अंग दान किए। 'हेल्प समवन वॉक' अभियान के तहत दोनों संस्थाओं के 10 लाख जुटाए। राउंड टेबल 7 के अध्यक्ष और कॉनकॉर्ड के चेयरमैन बीएस नेसारा और लेडीज सर्कल 19 की चेयरपर्सन डेफ्ने पाटिल ने अस्पताल को कृत्रिम अंग सौंपे। इस मानवसेवा के शुभारंभ पर बीएस नेसारा ने कहा कि हमारे वार्षिक 'हेल्प समवन वॉक' अभियान का उद्देश्य उन गरीब लोगों को जीवन बदलने वाले कृत्रिम अंग प्रदान करना है, जिन्होंने दुखद दुर्घटनाओं या बीमारियों के कारण अपने अंग खो दिए हैं।

'सिक्के के दो पहलू हैं पदाधिकार और जिम्मेदारी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

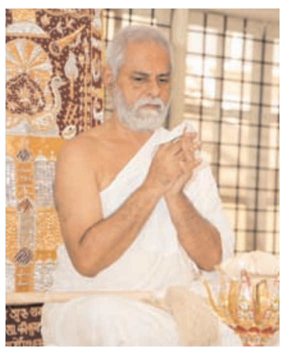

बेंगलूरु। स्थानीय वीवी पुरम के संभवनाथ जैन भवन में प्रवचन के दौरान आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने दीक्षा धर्म की महानता के बारे में कहा कि दीक्षा लेकर साधक वे तमाम प्राथमिक प्रवृत्तियाँ करते है जो जीवन जीने के लिए जरूरी है। लेकिन करने का तरीका ऐसा होता है जिससे किसी भी जीव को दुःख न पहुंचे। इसी कार्यपद्धति के कारण जैन दीक्षा अपने आप में अद्वितीय खूबी समाए हुए है। अकसर आम लोगों में दीक्षा का मतलब सब छोड देना-ऐसा अधूरा अर्थघटन किया जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि साधक सांसारिक परिवार से भौतिक नाता तोड़ स्वयं तीर्थकरों द्वारा स्थापित एक महान श्रमण परिवार का सदस्य बन उनसे अपना नाता जोडता है और एक गौरवशाली पद प्राप्त करता है। दीक्षा लेते ही साधक गुरुपद पर आरूढ़ होकर विशिष्ट जिम्मेदारियाँ वहन करता है।

आचार्यश्री के 43वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित गुरुगुण कीर्तन समारोह में अनेक परिवारों ने गुरु समर्पण विधि कर उनसे जीवन के हर छोटे-बडे निर्णय में उचित मार्गदर्शन देने का अनुरोध किया ,जिसके जवाब में आचार्यश्री ने कहा कि गुरुपद जिम्मेदारियों से भरा पद है । सामान्यतः जन मानस में पद के साथ अधिकार एवं सत्ता ही जुडी हुई दिखाई देती है। आत्म-कल्याण के मार्ग का शुद्ध उपदेश जन जन तक पहुँचाना और धर्म शासन की हितकारी व्यवस्थाओं की रक्षा करना गुरुजनों का मुख्य कर्तव्य है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीठालाल पावेचा ने आचार्यश्री की प्रवचन शैली के बारे में कहा कि तात्विक पदार्थों को भी सरलता से प्रस्तुत करना और हाज़िर जवाबी द्वारा जिज्ञासु श्रोताओं के प्रश्नों का शास्त्रीय एवं संतोषजनक समाधान देना उनकी प्रमुख विशेषताएँ है। माधवनगर जैन संघ की ओर से प्रकाश पिरगल ने 42 वर्ष पूर्व लालबाग स्थित ग्लास हाऊस में हुई आचार्यश्री की दीक्षा के ऐतिहासिक संस्मरणों को श्रोताओं से साझा किया। अनेक श्रद्धालुओं ने वक्तव्य, गीतों के माध्यम से आचार्यश्री को शुभकामनाएँ दी। सीमंधर-शांतिसूरी जैन संघ, कल्याण मित्र परिवार एवं तिलावट परिवार आदि ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली।

इजराइल के पास हिजबुल्लाह के साथ युद्ध विराम से इनकार करने का कोई बहाना नहींः ईयू की शीर्ष राजनयिक

फ्यूजी (इटली)। यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक ने मंगलवार को कहा कि लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह के साथ युद्ध विराम को अस्वीकार करने के लिए इजराइल के पास कोई बहाना नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-फ्रांस की मध्यस्थता वाले समझौते में उसकी सभी सुरक्षा चिंताओं का समाधान कर दिया गया है।

यूरोपीय संघ के निवर्तमान विदेश नीति प्रमुख जोसेफ बोरेल ने सरकार में चरमपंथियों पर अंकुश लगाने के लिए इजराइल पर दबाव बढ़ाने का आह्वान किया, जो समझौते को स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं। इटली में 'ग्रुप ऑफ सेवेन' (जी7) की बैठक के अवसर पर बोरेल ने चेतावनी दी कि यदि युद्ध विराम लागू नहीं किया गया तो लेबनान बिखर जाएगा।

इजराइली अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा कैबिनेट मंगलवार को प्रस्तावित युद्ध विराम पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। जो मुद्दे बचे हैं उनमें इजराइली की यह मांग भी है कि अगर हिजबुल्लाह हो रहे समझौते के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन करता है तो कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखा जाए।

बोरेल ने कहा कि प्रस्तावित समझौते के तहत, अमेरिका युद्धविराम कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता करेगा, जिसमें लेबनान के अनुरोध पर फ्रांस भी भाग लेगा। बोरेल ने इटली के फ्यूजी में संवाददाताओं से कहा, अमेरिका और फ्रांस द्वारा प्रस्तावित समझौते पर इजराइल की सभी सुरक्षा चिंताओं का समाधान कर दिया गया है। युद्ध विराम लागू न करने का कोई बहाना नहीं है। अन्यथा लेबनान बिखर जाएगा।

इंदिरानगर के सर्विस अपार्टमेन्ट में एक युवती मृत पाई गई

बेंगलूरु। शहर के इंदिरानगर की एक सर्विस अपार्टमेन्ट में तीन दिन पूर्व एक युवक व युवती ने रुम लिया था। दोनों जनों ने तीन दिन के लिए अपार्टमेन्ट बुक करवाया था परन्तु जब दो दिनों तक दोनों में कोई भी बाहर नहीं आया तो सर्विस अपार्टमेन्ट मैनेजर ने जानकारी लेने चाही तो पता चला कि रुम खुला हुआ है। जब मैनेजर ने रुम के अंदर जाकर देखा तो रुम में युवती की चाकू गोद कर हत्या कर दी गई है। उस युवती के साथ वाला युवक फरार था। इस मृत युवती का नाम माया गोगाई था। होटल प्रबंधन ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और पुलिस ने शिकायत दर्ज कर उस फरार युवक की तलाश कर रही है ।

सनातन धर्म विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महानगर के साहुकारपेट क्षेत्र के मिन्ट स्ट्रीट स्थित सनातन धर्म विद्यालय में मंगलवार को मद्रास सैंट जॉर्ज फोर्ट डिस्ट्रिक्ट 324 एम के तत्वावधान में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ। विद्यालय कि प्रधानाचार्या एस लता, समिति सदस्य भावना त्रिवेदी कि उपस्थिति में विद्यालय कि छात्राओं, शिक्षिकाओं, तथा अभिभावकों के स्वास्थ्य कि जांच कि जिसमें दांत, आंख, रक्तचाप, मधुमेह सहित सामान्य स्वास्थ्य जांच कि गई।

दीक्षा दिवस पर साध्वीवृंद से आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के गुरु ब्रज मधुकर श्रावक समिति, तमिलनाडु का एक प्रतिनिधि मंडल समिति के उपाध्यक्ष और चेन्नई के उद्योगपति महेन्द्र लोढा के नेतृत्व में साध्वीश्री उमरावकंवरजी म. सा. 'अर्चनाजी' के 87वें दीक्षा दिवस पर हैदराबाद में विराजमान डॉ. साध्वीश्री सुप्रभाजी महाराज सा. के सानिनध्य में आयोजित एक भव्य समारोह में शामिल होने पहुंचा।

'सोने पे सुहागा' यह रहा कि इस अवसर पर साध्वी की गौरवशाली दीक्षा की स्वर्ण जयंती और साध्वीश्री इमित प्रभा जी म. सा. का 35 वां दीक्षा दिवस का भी आयोजन किया गया। गुरू ब्रज मधुकर श्रावक समिति, तमिलनाडु की ओर से दोनों महान साध्वियों के उनके ऐतिहासिक दीक्षा दिवस पर उन्हें समिति द्वारा चादर भेंट की गई।

इस अवसर पर सुश्रावक भरत चौरडिया, अजीत चौरडिया, जितेन्द्र लोढा, प्रवीण चौरडिया, संजय खाबिया, शांतिलाल सिंघवी, कमला मेहता सहित अनेक महानुभावों की उपस्थिति रही।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के करुनाडू व्यापारी संगठन गलवकुटा केंगेरी द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव एवं संविधान दिवस मनाया गया इस मौके पर शामिल विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान करते हुए क्षेत्र के विधायक एसटी सोमशेखर एवं अन्य।

भारतीय संविधान के कुछ महत्वपूर्ण पहलू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली।दो सौ चौहत्तर सदस्यों के बीच 167 दिनों तक चली बहस और लगभग 36 लाख शब्दों के तौर पर सामने आये विचारों के बाद दुनिया के सबसे लंबे लिखित भारतीय संविधान का स्वरूप सामने आया था, जिसे संविधान सभा ने 1949 में आज ही के दिन अपनाया था। उस वक्त 1.45 लाख शब्दों में समाहित संविधान के हर अनुच्छेद पर संविधान सभा के सदस्यों ने बहस की थी। इन्होंने संविधान निर्माण के लिए दो साल, 11 महीने और 18 दिनों की अवधि में 11 सत्र और 167 दिन तक बैठक की थी। संविधान के मुख्य वार्ताकार माने जाने वाले बी.आर. अंबेडकर को उनकी अध्यक्षता वाली मसौदा समिति के सदस्यों ने सहायता प्रदान की थी।

भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद 75 साल पहले इस ऐतिहासिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने वाले पहले व्यक्ति थे। यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है और इसका पहला संस्करण न तो मुद्रित किया गया था और न ही टाइप किया गया था-- इसे हिंदी और अंग्रेजी दोनों में हाथ से सुलेख के रूप में लिखा गया था। लोकसभा की वेबसाइट पर उपलब्ध तथ्यों और थिंक टैंक पीआरएस इंडिया द्वारा संविधान सभा की बहसों के विश्लेषण के अनुसार, संविधान की पांडुलिपि प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने हाथ से लिखी थी और देहरादून में उनके द्वारा प्रकाशित की गई थी। हर पृष्ठ को शांति निकेतन के कलाकारों ने सजाया था, जिसमें बेहर राममनोहर सिन्हा और नंदलाल बोस शामिल थे। अंतिम प्रारूप को पूरा करने में दो साल, 11 महीने और 18 दिन लगे। वर्तमान में, इसमें 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां हैं। संविधान में अब तक 106 बार संशोधन किया जा चुका है। संविधान सभा ने नवंबर 1948 से अक्टूबर 1949 तक, संविधान के प्रारूप पर खंड-दर-खंड चर्चा के लिए बैठकें कीं। इस अवधि के दौरान सदस्यों ने 101 दिनों तक बैठकें कीं। संविधान के मसौदे के भाग-तीन में मौलिक अधिकारों को शामिल किया गया और इस पर 16 दिनों तक चर्चा हुई थी। कुल खंड-दर-खंड चर्चाओं में से 14 प्रतिशत मौलिक अधिकारों के लिए समर्पित थी। राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों को भाग-चार में शामिल किया गया था और इस पर छह दिनों तक चर्चा हुई थी। खंड-दर-खंड चर्चा का चार प्रतिशत निर्देशक सिद्धांतों के लिए समर्पित था। नागरिकता से संबंधित प्रावधानों को भाग-दो में शामिल किया गया था। इस भाग पर चर्चा का दो प्रतिशत समर्पित था। छह सदस्यों ने एक लाख से अधिक शब्द बोले। आंबेडकर ने 2.67 लाख से अधिक शब्दों का योगदान दिया। संविधान सभा के सदस्य, भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 73,804 शब्द बोले। मसौदा समिति ने संवैधानिक सलाहकार बीएन राव द्वारा बनाए गए मसौदे की पड़ताल की और उसमें संशोधन किया तथा इसे सभा के समक्ष विचार के लिए प्रस्तुत किया। समिति के सदस्यों ने चर्चा के दौरान अन्य सदस्यों द्वारा की गई टिप्पणियों पर अक्सर प्रतिक्रिया दी। कुछ वैसे सदस्य जो मसौदा समिति का हिस्सा नहीं थे, (फिर भी) उन्होंने संविधान सभा की बहसों में व्यापक रूप से भाग लिया। ऐसे पांच सदस्यों ने एक-एक लाख से ज्यादा शब्दों का योगदान किया। संविधान सभा के पूरे कार्यकाल के दौरान पंद्रह महिलाएं इसका हिस्सा थीं। उनमें से 10 ने बहस में भाग लिया और चर्चाओं में दो प्रतिशत का योगदान दिया। महिलाओं में सबसे ज्यादा भागीदारी जी. दुर्गाबाई ने की, जिन्होंने लगभग 23,000 शब्दों का योगदान किया। उन्होंने बहस के दौरान न्यायपालिका पर विस्तार से बात की। अम्मू स्वामीनाथन, बेगम ऐजाज रसूल और दक्ष्याणी वेलायुधन ने मौलिक अधिकारों पर बहस में भाग लिया। हंसा मेहता और रेणुका रे ने महिलाओं के लिए न्याय से संबंधित बहस में हिस्सा लिया। दिलचस्प बात यह है कि संविधान सभा की बहसों में प्रांतों के सदस्यों ने 85 प्रतिशत योगदान दिया। संविधान सभा में प्रांतों से चुने गए 210 सदस्यों और रियासतों द्वारा मनोनीत 64 सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया। औसतन, प्रांतों के प्रत्येक सदस्य ने 14,817 शब्द और रियासतों के एक सदस्य ने 3,367 शब्द बोले।

पीठासीन अधिकारियों द्वारा दिए गए भाषणों और हस्तक्षेपों ने चर्चाओं में नौ प्रतिशत का योगदान दिया। संविधान सभा की पहली बैठक नौ दिसंबर, 1946 को दिल्ली में 'संविधान सदन' में हुई। इसे पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष के रूप में भी जाना जाता है। सदस्य राष्ट्रपति के मंच के सामने अर्धवृत्ताकार पंक्तियों में बैठे थे। अगली पंक्ति में बैठने वालों में नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार वल्लभभाई पटेल, आचार्य जेबी कृपलानी, प्रसाद, सरोजिनी नायडू, हरे-कृष्ण महताब, गोविंद बल्लभ पंत, आंबेडकर, शरत चंद्र बोस, सी. राजगोपालाचारी और एम. आसफ अली थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.